

संक्षिप्त समाचार

न्याय में देरी, न्याय न मिलने के समान: दिल्ली के उपराज्यपाल संघू

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संघू ने दिल्ली सरकार के अभियोजन निदेशालय के कामकाज की विस्तृत समीक्षा करते हुए अदालतों में मुकदमों के निपटारे में अनावश्यक देरी और दोषसिद्धि की कम दर पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने स्पष्ट कहा कि देरी से मिलने वाला न्याय, न्याय न मिलने के समान है। उपराज्यपाल ने आपराधिक न्याय प्रक्रिया में तेजी लाने, जांच की गुणवत्ता सुधारने और दोषियों को सजा दिलाने की दर बढ़ाने के लिए संबंधित एजेंसियों को तत्काल ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान उपराज्यपाल ने मुकदमों की निगरानी से लेकर जांच, अभियोजन, साक्ष्यों की गुणवत्ता और अदालतों में सुनवाई तक की प्रक्रिया में सुधार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय, समयबद्ध कार्रवाई और अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है।

इमरान खान की याचिका पर 26 अक्टूबर को सुनवाई करेगा बॉम्बे हाईकोर्ट

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट अभिनेता इमरान खान की उस याचिका पर 26 अक्टूबर को सुनवाई करेगा, जिसमें उन्होंने मुंबई पुलिस की ओर से जारी उस नोटिस को चुनौती दी है, जिसके तहत उन्हें 28 अक्टूबर तक भारत छोड़ने का निर्देश दिया गया है। अमेरिकी नागरिक इमरान खान ने याचिका में पुलिस के इस आदेश को गैरकानूनी, मनमाना और अनुचित बताते हुए इसे रद्द करने की मांग की है। सोमवार को अभिनेता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता वेंकटेश धोंड ने मुख्य न्यायाधीश महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की पीठ के समक्ष याचिका का उल्लेख करते हुए शीघ्र सुनवाई का अनुरोध किया। केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल लालिंह सिंह ने जवाब देने के लिए समय मांगा। उन्होंने कहा कि उन्हें याचिका की प्रति सोमवार सुबह ही मिली है। इस पर अदालत ने 26 अक्टूबर को सुनवाई निर्धारित की।

गायक जुबिन नैटियाल के पिता रामशरण नैटियाल भाजपा छेड़ कांग्रेस में शामिल

देहरादून। उत्तराखंड में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक गतिविधियां तेज होने लगी हैं। इसी क्रम में मशहूर गायक जुबिन नैटियाल के पिता रामशरण नैटियाल ने भारतीय जनता पार्टी छेड़कर कांग्रेस का दामन थाम लिया। सोमवार को कांग्रेस नेताओं ने उनका पार्टी में स्वागत किया। इस घटनाक्रम को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की राजनीति में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रामशरण नैटियाल का स्वागत उत्तराखंड की कांग्रेस प्रभारी कुमारी शैलजा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य और गुरदीप सण्णल ने किया।

अर्बन चैलेंज फंड कॉन्क्लेव- बारिश में जहां वाहन चलने चाहिए वहां चलाना पड़ता है नाव सीएम साय ने कहा-नगर एवं शहरों का सीवरेज सिस्टम सुधारें

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि राज्य सरकार शहरों के सुनियोजित और आधुनिक विकास को प्राथमिकता दे रही है। शहरों में सीवरेज सिस्टम दुरुस्त करने, जल निकासी की व्यवस्था सुधारने, बिजली के तारों को भूमिगत करने और पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान जलभराव के कारण कई जगहों पर ऐसी स्थिति बन जाती है कि जहां वाहनों को चलना चाहिए, वहां नाव चलाने की नीबत आ जाती है। इस स्थिति को बदलने के लिए शहरी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना आवश्यक है। मुख्यमंत्री

विष्णुदेव साय रायपुर में आयोजित अर्बन चैलेंज फंड कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शहरों के सुनियोजित विकास को लेकर दो एमओयू किए गए हैं। इन समझौतों से राज्य को केवल आर्थिक सहायता ही नहीं मिलेगी, बल्कि तकनीकी सहयोग और विशेषज्ञों के सुझाव भी प्राप्त होंगे। इससे शहरों की मौजूदा समस्याओं का समाधान करने और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकास योजनाएं तैयार करने में मदद मिलेगी। सीएम ने कहा, प्रदेश के सभी क्षेत्रों में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में बारिश के दौरान सीवरेज सिस्टम दुरुस्त नहीं होने के कारण जलभराव की स्थिति बनती है। महापौर और नगरीय निकाय इस दिशा में काम करेंगे, ताकि



आने वाले दिनों में ऐसी समस्याओं का सामना न करना पड़े। बिजली के तारों को भी भूमिगत कराया जाएगा, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा कम हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य वर्ष 2047 तक विकसित भारत का निर्माण करना है।

के साथ शहरी अधोसंरचना को मजबूत करना भी जरूरी है। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री शहर समृद्धि योजना और नगरोत्थान योजना के माध्यम से भी शहरी विकास के लिए काम कर रही है। अब केंद्र सरकार द्वारा अर्बन चैलेंज फंड की व्यवस्था किए जाने से शहरों के विकास के लिए नए अवसर उपलब्ध होंगे। इस फंड के जरिए शहरों में विकास की संभावनाओं, वर्तमान व्यवस्थाओं और भविष्य की आवश्यकताओं पर व्यापक चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री साय ने शहरों की बुनियादी समस्याओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी शहरों में सीवरेज सिस्टम को दुरुस्त किया जाना चाहिए। बारिश के दौरान जलभराव की समस्या आम जनजीवन और यातायात को प्रभावित करती है।

नक्सलवाद खत्म होने के बाद विकास को मिलेगी गति.....

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि नक्सलवाद प्रदेश के विकास में बड़ी बाधा रहा है। अब इसके खतम होने के बाद राज्य में विकास कार्यों को और गति देने की जरूरत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि रायपुर में आयोजित यह कार्यशाला छत्तीसगढ़ के शहरों के सुनियोजित और आधुनिक विकास की दिशा में मीत का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय, तकनीकी सहयोग तथा उपलब्ध वित्तीय संसाधनों के बेहतर उपयोग से शहरों की बुनियादी सुविधाओं में सुधार किया जा सकता है। इसी नागरिकों को बेहतर जीवन स्तर मिलेगा। और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी।

लॉरेंस की दहशत में सितारे अभिनेता अक्षय कुमार के घर की बढ़ी सुरक्षा

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ के घर के बाहर हुई फ़रारिंग की घटना के बाद फिल्म इंडस्ट्री में सितारों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस घटना के बाद सलमान खान के घर के बाहर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी किए जाने की खबर सामने आई थी। अब अक्षय कुमार के घर को लेकर भी एक बड़ा दावा किया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई के जुहू स्थित अभिनेता के घर पर बुलेटप्रूफ़ शीशे की सुरक्षा लगाने का काम किया जा रहा है। हालाँकि, इस खबर की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के



हवाले से दावा किया गया है कि टाइगर श्रॉफ़ पर फ़रारिंग की घटना के बाद बॉलीवुड के कई सितारे अपनी सुरक्षा को लेकर सतर्क हो गए हैं। इसी कड़ी में अक्षय कुमार के मुंबई स्थित घर पर बुलेटप्रूफ़ शीशा लगाया जा रहा है।

दशहरा कार्यक्रमों के दौरान हादसे कहीं मंच पर गिरा जलता रॉकेट,तो इधर भीड़ में फूटे पटाखे-आतिशबाजी के पटाखे से दो लोग घायल.....

रायपुर। छत्तीसगढ़ समेत देशभर में विजयदशमी के अवसर पर धूमधाम के कार्यक्रम आयोजित किए गए, इस दौरान कुछ शहरों से कार्यक्रम के दौरान अप्रिय घटना भी सामने आई है। कहीं आतिशबाजी करने के दौरान जलता हुआ रॉकेट मुख्य स्टेज तक पहुंच गया, जिससे जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों में अप्पा-तप्परी का माहौल बन गया। तो कहीं आतिशबाजी के पटाखे से दो लोग घायल हो गए, इन घटनाओं ने आयोजन की तैयारी और लोगों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लाखों रुपये फूँके जाने के बाद

भी ऐसी घटनाएं न हो इसके लिए क्या कोई तैयारी नहीं होती? सरगुजा के अंबिकापुर में मंगलवार को पोड़ी कॉलेज मैदान में विजयदशमी को मनाने के लिए कई दिनों तक तैयारियों की गईं। आयोजकों ने पूरे कार्यक्रम में काफ़ी खर्च कर कार्यक्रम को भव्य रूप देने के लिए आतिबाजी की भी तैयारी की थी. पोस्टर-बैनर के साथ प्रचार कर लोगों की भीड़ जुटाई गई. कार्यक्रम में कई अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए थे. रावण दहन कार्यक्रम में आतिशबाजी अनिवार्य हो गई. जलता हुआ



रॉकेट सीधा मुख्य स्टेज तक जा पहुंचा. कपड़े से बने छत पर चिंगारी भड़क उठी. घटना से जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों में अप्पा-तप्परी का माहौल बन गया. राहत की बात रही कि फ़ायर फ़ाइटर टीम ने तत्काल एक्शन लेते

हुए चिंगारी पर काबू पाने की कोशिशें शुरू की, जिससे बड़ी अनहोनी होने से टल गई. घटना से पटाखों के संचालन में लापरवाही पर सवाल उठ रहे हैं. जशपुर में भी रावण दहन कार्यक्रम के दौरान आतिशबाजी में बड़ा हादसा होते-

होते टल गया. सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के रणजीता स्टेडियम में आतिशबाजी के दौरान एक पटाखा अचानक भीड़ के बीच जा गिरा. पटाखे की चपेट में आने से दो लोगों को मामूली चोटें आईं. पटाखा भीड़ में गिरते ही मौके पर अप्पा-तप्परी मच गई और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे. घटना के दौरान बड़ा हादसा हो सकता था, लेकिन गनीमत रही कि दोनों लोगों को मामूली चोटें ही आईं. घटना के बाद कार्यक्रम स्थल पर कुछ देर के लिए हड़कंप की स्थिति बन गई.

टाइगर श्रॉफ पर हमले की साजिश का खुलासा अमृतसर से मुंबई पहुंचाए हथियार 10 हजार के लिए महिला बनीं कूरियर....

मुंबई/ एजेंसी

मुंबई के जुहू इलाके में 18 अक्टूबर की शाम अभिनेता टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर अंधाधुंध गोलीयां बरसाए जाने के बाद सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गई थीं। इस सनसनीखेज वारदात के बाद लॉरेंस बिस्मोई सिंघिकेट के अंतरराज्यीय नेटवर्क की परतें लगातार खुल रही हैं। पंजाब के अमृतसर से हथियार उठाने से लेकर दिल्ली के रास्ते मुंबई पहुंचाने और वारदात के बाद शूटरों को भगाने तक, इस पूरी साजिश में कई राज्यों के नर-चेहरों और महिलाओं का इस्तेमाल किया गया था। पुलिस ने अब तक कुल छह



आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य हिरासत में हैं। जांच में सामने आया है कि लॉरेंस गैंग हथियारों की अदला-बदली के लिए जासूसी दुनिया के पुराने तरीके 'डेड लेटर बॉक्स' का इस्तेमाल कर रहा है। इस तरीके में हथियार सप्लाई करने वाला और उसे उठाने

वाला कभी आमने-सामने नहीं मिलते, जिससे किसी की पहचान उजागर नहीं होती। विदेश में बैठे अनिल पंडित के निर्देश पर सोनीपत निवासी कुणाल और सुमित अमृतसर पहुंचे थे। वहां उन्हें बताए गए एक गुप्त ठिकाने से एक पिस्टल और 20 जिंदा कारतूस मिले, जिसे उन्होंने बैग में कलेक्ट किया। सूत्रों के अनुसार, इस काम के लिए कुणाल और सुमित को 70 से 80 हजार रुपये दिए गए थे। हथियारों को अमृतसर से दिल्ली लाने के बाद कुणाल ने इन्हें मुंबई भेजने के लिए दो महिलाओं को तैयार किया। उत्तर प्रदेश की रहने वाली राधा और बबीता सोनीपत की एक औद्योगिक फैक्ट्री में काम करती हैं।

ओआईसी की बैठक में भारत विरोधी टिप्पणियों पर विदेश मंत्रालय ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली। इराक की राजधानी बगदाद में आयोजित इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) के विदेश मंत्रियों की बैठक में भारत के खिलाफ की गई टिप्पणियों पर भारत के विदेश मंत्रालय ने कड़ी नाराजगी जताई है। मंत्रालय ने जारी बयान में बैठक के प्रस्तावों में भारत विरोधी टिप्पणियों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हुए उन्हें दुर्भावपूर्ण, पक्षपातपूर्ण और झूठ बताया। पंजालय ने आरोप लगाया कि ये टिप्पणियां पाकिस्तान द्वारा तैयार की गई हैं और संगठन को अपने कट्टरपंथी एजेंडे के लिए इस्तेमाल करने का प्रयास किया गया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि ओआईसी को भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है।

रिजीम चेंज 'को सीएम ने सिरे से किया खारिज बांग्लादेश जैसे हालात भारत में कभी नहीं होंगे:शुभेंदु अधिकारी

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने देश में बांग्लादेश की तर्ज पर 'रिजीम चेंज' (सत्ता परिवर्तन) की मांग या कोशिशों को सिरे से खारिज कर दिया. उन्होंने ने कहा कि भारत में बांग्लादेश जैसे हालात कभी पैदा नहीं हो सकते. रिजीम चेंज की मांग पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रिएक्ट किया है. उन्होंने कहा है कि भारत में ऐसा नहीं हो सकता कि कुछ लोग अचानक राष्ट्रपति भवन या संसद में घुस जाएं-उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत जैसे बड़े



लोकतांत्रिक देश में सरकार बदलने का एकमात्र सही और संवैधानिक तरीका सिर्फ लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया ही है. पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि यह कोई बांग्लादेश नहीं है जहां अचानक कुछ लोग उठेंगे और राष्ट्रपति भवन

या संसद में जबरन घुस जाएंगे या उसकी घेराबंदी कर देंगे और सरकार बदल जाएगी. पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने पीएम नरेंद्र मोदी की उस अपील का सपोर्ट किया है, जिसमें उन्होंने देश के हित में सभी राजनीतिक दलों को एक साथ आने के लिए कहा था. उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई भी तत्व देश के भीतर ऐसी अलोकतांत्रिक या हिंसक अराजकता फैलाने की कोशिश करेगा, तो देश के 80 प्रतिशत लोग इसका विरोध करेंगे. प्रधानमंत्री मोदी ने जो कहा है, वह देश के लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए ही कहा है.

कमरे में मिली शराब-दवाइयां,कमरे में आई युवती से पुलिस कर रही पूछताछ रायपुर के बड़े कारोबारी दीपक मित्तल की चंडीगढ़ में संदिग्ध मौत

चंडीगढ़/रायपुर। संवाददाता

चंडीगढ़ के सेक्टर-17 स्थित पांच सितारा ताज होटल में छत्तीसगढ़ के एक बड़े कारोबारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान रायपुर निवासी 56 वर्षीय दीपक मित्तल के रूप में हुई है। वह राइस मिल के मालिक थे और मार्कफेड की एक बैठक में शामिल होने के लिए चंडीगढ़ आए थे। होटल के कमरे में उनका शव मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मामले में रात के समय कारोबारी के कमरे में पहुंची एक युवती दीपक मित्तल के होटल वाले कमरे में आई थी। पुलिस ने युवती को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ शुरू की है। जांच अधिकारी यह जानने का प्रयास कर रहे हैं ठहरे हुए थे। बुधवार सुबह करीब 6 बजे

होटल का एक बेटर उनके कमरे में पहुंचा। कमरे का दरवाजा खुला हुआ था। अंदर जाने पर दीपक बिस्तर पर बेसुध अवस्था में मिले। बेटर ने उन्हें उठाने की कोशिश की, लेकिन जब उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो होटल प्रबंधन को सूचना दी गई। इसके बाद होटल कर्मचारियों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर सेक्टर-17 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मामले में एक अहम पहलू यह भी सामने आया है कि रात के समय एक युवती दीपक मित्तल के होटल वाले कमरे में आई थी। पुलिस ने युवती को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ शुरू की है। जांच अधिकारी यह जानने का प्रयास कर रहे हैं कि युवती किस सिलसिले में होटल



पहुंची थी और कारोबारी की मौत से पहले कमरे में क्या घटनाक्रम हुआ था। हालाँकि, अभी तक युवती की भूमिका को लेकर कोई अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आया है। पुलिस सभी तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पुलिस की शुरुआती जांच में

होटल के कमरे से शराब की बोतलें और कुछ दवाइयां मिलने की बात सामने आई है। ऐसे में अत्यधिक शराब के सेवन और नशे की ओवरडोज की आशंका जताई जा रही है। हालाँकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कारोबारी की मौत वास्तव में किस वजह से हुई। पुलिस मौत के कारणों का

पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। शव को सेक्टर-16 स्थित सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह के बारे में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। बताया जा रहा है कि दीपक मित्तल का चावल मिल का कारोबार था। वह मार्कफेड की एक महत्वपूर्ण बैठक में शामिल होने के लिए चंडीगढ़ आए थे। रिपोर्ट के अनुसार, उनका पंजाब सरकार की राशन किट से जुड़े बड़े ठेकों के कारोबार से भी संबंध था। वह अपने ब्राइवर के साथ होटल पहुंचे थे और पिछले करीब दो दिनों से वहीं ठहरे हुए थे। घटना के बाद ताज होटल प्रबंधन की ओर से भी प्रतिक्रिया सामने आई है। होटल के प्रवक्ता ने इस घटना पर दुख जताते हुए कहा कि उनकी संवेदनाएं मृतक के परिवार के साथ हैं।

चावल के कारोबार से जुड़े थे दीपक मित्तल

मित्तल बहुत बड़े राशन कारोबारी थे. उनका पुराना बिधानसभा के पास ग्राम सकरी में राइस मिल है. छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों में चावल, शक्कर, गुड़ की सरकारी सप्लाई का काम था. रिपोर्टों में पंजाब सरकार की राशन किट आपूर्ति के ठेकों से जुड़े होने की भी जानकारी भी सामने आई है. जनकारी के अनुसार, दीपक मित्तल की मौत की खबर सुनकर रतब खरिजन आनन-फ़ानन में वॉटर प्लेन से चंडीगढ़ के लिए रवाना हो गए हैं. पोस्टमार्टम होने के बाद परिरज दीपक मित्तल के पार्थिव शरीर को लेकर वापस रात तक रवाना होने की संभावना जताई जा रही है. दीपक मित्तल के निधन से न केवल परिरज बल्कि छत्तीसगढ़ के व्यवसाय जगत में भी शोक का माहौल है.

गोंडवाना भवन में 10 लाख रुपये की लागत से निर्मित टिना शेड का किया लोकार्पण

आदिवासी संस्कृति समृद्ध और गौरवशाली, इसे भावी पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी : मंत्री रामविचार नेताम

● नरहरपुर के छपरपारा में आयोजित ब्लॉक स्तरीय टाकुर जोहारनी मिलन समारोह में शामिल हुए मंत्री रामविचार नेताम

कांकेर। छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम आज कांकेर जिले के नरहरपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम छपरपारा में आयोजित ब्लॉक स्तरीय टाकुर जोहारनी मिलन समारोह में अपनी धर्मपत्नी पुष्पा नेताम के साथ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर पारंपरिक रीति-रिवाजों एवं गोंडवाना संस्कृति के अनुरूप देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना कर सेवा अर्ची की गई। कार्यक्रम में कांकेर विधायक आशाराम नेताम, केसकाल विधायक नीलकंठ टेकाम सहित समाज के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। टाकुर जोहारनी मिलन समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि



समाज के लोगों को आपस में जोड़ने और सामाजिक एकता को मजबूत करने का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि गोंड समाज एक बड़ा सामाजिक समुदाय है और समाज की व्यापकता के साथ उसकी जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं। समाज के लोगों को एकजुट होकर अपनी समस्याओं का समाधान करना चाहिए तथा शिक्षा, जागरूकता और आर्थिक सशक्तिकरण के माध्यम से विकास की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

आदिवासी संस्कृति प्राचीन, समृद्ध, गौरवशाली और विशिष्ट पहचान वाली संस्कृति है। इसकी परंपराओं, रीति-रिवाजों और जीवन मूल्यों को अक्षुण्ण बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। हमारी संस्कृति

टाकुर जोहारनी सामाजिक एकता और पारंपरिक सद्भाव का प्रतीक- विधायक नेताम

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांकेर विधायक आशाराम नेताम ने कहा कि गोंडवाना समाज में नवाखाई एवं के पश्चात टाकुर जोहारनी का आयोजन किया जाता है। यह पारंपरिक पर्व समाज के लोगों के आपसी मेल-मिलाप, सम्मान और सामाजिक संबंधों को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने उपस्थित समाजजनों को जोहार करते हुए टाकुर जोहारनी एवं की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि गत वर्ष नरहरपुर विकासखंड मुख्यालय में आयोजित टाकुर जोहारनी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल हुए थे। इस वर्ष विकासखंड की बासनावाही ग्राम पंचायत के आश्रित ग्राम छपरपारा में यह आयोजन किया गया है।

मंत्री ने विभागीय स्टॉलों का किया अवलोकन, योजनाओं की ली जानकारी

कार्यक्रम के दौरान मंत्री रामविचार नेताम ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने पशुधन विकास विभाग, मत्स्य पालन विभाग, कृषि विभाग तथा कृषि अभियांत्रिकी विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र कांकेर, आदिवासी विकास विभाग, उद्यानिकी विभाग के स्टॉलों का निरीक्षण कर विभागीय योजनाओं, हितग्राहियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। इस अवसर पर विभिन्न शासकीय योजनाओं के माध्यम से हितग्राहियों को लाभान्वित भी किया गया। इसके पश्चात मंत्री नेताम ने गोंडवाना भवन परिसर में आंगा देव के दर्शन कर सेवा अर्पित की, साथ ही बूढ़ादेव मंदिर में भी पूजा-अर्चना किया।

गोंडवाना भवन में 10 लाख रुपये की लागत से निर्मित टिना शेड का लोकार्पण

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा गत वर्ष नरहरपुर में आयोजित टाकुर जोहारनी मिलन समारोह के दौरान गोंडवाना भवन में 10 लाख रुपये की लागत से टिन शेड निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई थी। जिसके पालन में ग्राम छपरपारा के गोंडवाना भवन में निर्मित टिना शेड का लोकार्पण आज मंत्री रामविचार नेताम द्वारा किया गया। टिन शेड के निर्माण से सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के आयोजन में समाजजनों को बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। कार्यक्रम में पूर्व विधायक शिशुपाल शोरी, सुमित्रा मारकोले, गोंडवाना समाज के ब्लॉक अध्यक्ष नरहरपुर समेश्वर वट्टी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष तारा टाकुर, कपूरचंद कुंजाम, गणेश कोड़ोपी, गरियाबंद जिले से लोकेश्वरी नेताम, आर.एन. धुव, हेमलाल मरकाम, एबन नेताम सहित समाज के प्रमुख, गायता, पुजारी, ग्राम पटेल, वैद्यराज संघ के पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल ने लटुवा, झांका, केशडबरी और भरसेली में किया जनसंपर्क



बलीदाबाजार। जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल ने नवरात्रि दौरा कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम लाटुवा, झांका, केशडबरी एवं भरसेली के विभिन्न चौक-चौराहों और पुजा स्थलों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न पंडालों में माता के दर्शन कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। साथ ही ग्रामीणों से सौजन्य मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं स्थानीय आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी ली। दौरे के दौरान ग्रामीणों द्वारा विभिन्न विकास कार्यों एवं सामुदायिक सुविधाओं से संबंधित आवश्यक मांगें रखी गईं। इस अवसर पर ग्रामीणों के साथ कई आवश्यक

चर्चाएं भी की गईं तथा क्षेत्र के विकास से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। ग्राम लाटुवा में सहाय देव चौक यादव पारा, कनौजे पारा, रामगुड़ी चौक, शीतला माता स्थल, नीम चौक, बजरंग चौक, राधा-कृष्ण मंदिर चौक, टाकुर देव चौक, तिगड्डा चौक, लक्ष्मी सागर चौक, दर्रा पारा, कनौजे सामुदायिक भवन स्थल, गौरी-गौरा चौक दर्रा पारा, दशहरा मैदान चौक, गणेश चौक, सरस्वती चौक, स्कूल पारा तथा कुर्मी पारा सहित विभिन्न स्थलों पर पहुंचकर ग्रामीणों से चर्चा की। ग्राम झांका में सरस्वती चौक, जन्माष्टमी चौक, गौरा चौक एवं महामाया स्थल पर पहुंचकर स्थानीय लोगों से मुलाकात की।

जाति-धर्म से ऊपर उठकर राष्ट्र निर्माण में जुटें – हाइजीनिक फूड जोन से ई-बस डिपो और प्रधानमंत्री आवास तक पहुंचीं आयुक्त, स्थलवार कार्यों की प्रगति का लिया जायजा

गाजीपुर। भारतीय आवागमन पार्टी (राष्ट्रीय) के रौजा स्थित कार्यालय पर बुधवार को एक ऐतिहासिक गोष्ठी की शुरुआत हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. कुंआर नसीम रज़ा सिकरवार ने सर्वप्रथम पार्टी के जनपदीय कार्यालय गाजीपुर का पीता खोलकर विधिवत शुभारंभ एवं भव्य उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने गगनभेदी नारों के साथ मुख्य अतिथि का जोरदार स्वागत किया।

कार्यालय उद्घाटन के उपरान्त, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वारा 21 अक्टूबर 1943 को 'आज़ाद हिंद की अस्थायी सरकार' की स्थापना की ऐतिहासिक घोषणा के अवसर पर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वारा आज़ाद हिंद सरकार की स्थापना विषयक एक विशेष गोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. कुंआर नसीम रज़ा सिकरवार ने कहा, यह नया जनपदीय पार्टी कार्यालय गाजीपुर में जनता की आवाज़ और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का मुख्य केंद्र बनेगा। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने आज़ाद हिंद सरकार की स्थापना



कर दुनिया को यह दिखा दिया था कि भारत अपनी संप्रभुता और आज़ादी के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। आज हमें उनके दिखाए रास्ते पर चलते हुए देश की आंतरिक एकता को मजबूत करना होगा। युवाओं को राष्ट्र निर्माण की इस मुख्यधारा से जुड़कर एक अखंड और सशक्त भारत के सपने को साकार करना चाहिए, जहाँ हर वर्ग को समान अधिकार और सम्मान मिले।

पार्टी के पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष ज़ाकिर हुसैन विक्री ने अपने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव स्वागत के साथ संबोधित

करते कहा कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वारा 21 अक्टूबर 1943 को आज़ाद हिंद सरकार की स्थापना की घोषणा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का ऐतिहासिक अध्याय है। आज़ाद हिंद फ़ौज में धर्म और समुदाय की सीमाओं से ऊपर उठकर अनेक मुस्लिम सहित सभी समुदायों के वीरों ने देश की आज़ादी के लिए त्याग और बलिदान दिया। उनका समर्पण हमें याद दिलाता है कि राष्ट्रभक्ति किसी धर्म या जाति की जागीर नहीं, बल्कि हर भारतीय का साझा गौरव है।

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरुक्षि सिंह ने शहर में चल रहे विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का स्थलवार निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने चंद्रा-मौर्या चौक के सामने निर्माणाधीन हाइजीनिक फूड जोन, संजय नगर तालाब मैदान, ई-बस डिपो निर्माण तथा खमहरिया स्थित एएचपी प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया। आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों से कार्यों की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए निर्माण की गुणवत्ता, सुव्यवस्थित क्रियान्वयन और समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। आयुक्त ने निर्माणाधीन हाइजीनिक फूड जोन का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। फूड जोन को स्वच्छ, व्यवस्थित और नागरिकों के लिए सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य



से निर्माण की गुणवत्ता तथा परिसर के बेहतर नियोजन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। परिसर में स्वच्छता, जल निकासी, कचरा संग्रहण, पेयजल एवं साफ-सफाई की व्यवस्था को ध्यान में रखा जाए, ताकि भविष्य में नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। आयुक्त ने संजय नगर तालाब मैदान का निरीक्षण कर स्थल की स्थिति का जायजा लिया। निर्देशित किया गया है कि उपलब्ध स्थान का बेहतर

उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को सुविधाजनक एवं व्यवस्थित स्थल मिल सकें। ई-बस डिपो के निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। ई-बस संचालन के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का समय पर विकास महत्वपूर्ण है, ताकि तैयार होने के बाद बसों के संचालन एवं रखरखाव में सुविधा हो। निर्माण में गुणवत्ता मानकों का पालन करते हुए बसों की

पार्किंग, चार्जिंग व्यवस्था, विद्युत सुरक्षा, रखरखाव और आवश्यक परिचालन सुविधाओं के समुचित प्रावधान पर ध्यान दिया जाए। संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्यों को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाए। आयुक्त ने खमहरिया स्थित एएचपी प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने आवासों से संबंधित विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। आवास निर्माण के साथ-साथ हितग्राहियों को आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना भी महत्वपूर्ण है। आवासों में मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। निगम प्रशासन द्वारा विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरे हों और शहर के विकास को गति मिल सके।

जिला पंचायत में लेखापाल पद पर संविदा नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित

कांकेर। विकसित भारत रोजगार आजीविका के लिए गारंटी मिशन ग्रामीण अंतर्गत जिला पंचायत कांकेर द्वारा लेखापाल (संविदा) के स्वीकृत 04 रिक्त पदों पर संविदा नियुक्ति के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय निवासियों से 01 नवंबर 2026 को रात्रि 12 बजे तक ऑनलाइन पंजीयन के माध्यम से आवेदन पत्र आमंत्रित किये गए हैं। ऑनलाइन आवेदन की लिंक <https://zpkanker.indicompute.com/> है, जिसे कांकेर जिले की वेबसाइट www.kanker.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है। निर्धारित

तिथि एवं समय के पश्चात आवेदन नहीं किये जा सकेंगे। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मण्डवी ने बताया कि उक्त पद पर नियुक्ति के लिए आवेदक को छत्तीसगढ़ राज्य का स्थानीय निवासी होना चाहिए एवं 01 सितम्बर 2026 को स्थिति उम्मीदवार की आयु सीमा न्यूनतम 18 वर्ष एवं अधिकतम 35 वर्ष होना चाहिए। अधिकतम आयु सीमा के लिए छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी ब्रूट संबंधी आदेश निर्देश इन नियुक्तियों के लिए भी लागू होंगे।

ग्राम मानपुरी में महतारी सदन से महिला सशक्तिकरण को मिलेगी नई दिशा

राजनांदगांव। ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम मानपुरी में महतारी सदन बनकर तैयार हो गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में मुख्यमंत्री सशक्त ग्रामीण विकास योजना अंतर्गत 24 लाख 70 हजार रुपये की लागत से निर्मित यह भवन महिलाओं को एकजुटता, स्वावलंबन और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। महतारी सदन से गांव की महिलाओं को अपने हुनर को निखारने और आजीविका के नए अवसर तलाशने के लिए सुविधायुक्त स्थान मिलेगा। वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वीकृत महतारी सदन का निर्माण पूर्ण होने से महिला स्व-सहायता समूहों को सामूहिक गतिविधियों के संचालन के लिए स्थायी भवन उपलब्ध होगा।

बैकुंठधाम, खुरसीपार स्टेडियम सहित अन्य स्थलों पर व्यवस्थाओं में किया गया सुधार



भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा दशहरा उत्सव को ध्यान में रखते हुए शहर के प्रमुख आयोजन स्थलों पर प्रकाश एवं सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कार्य किए गए हैं। इसके तहत बैकुंठधाम, खुरसीपार स्टेडियम, शांति नगर सहित अन्य स्थलों पर साफ-सफाई एवं रोशनी की व्यवस्था में सुधार किया गया

है। दशहरा उत्सव के दौरान बड़ी संख्या में नागरिकों की आवाजाही को देखते हुए आयोजन स्थलों पर स्वच्छता एवं पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। निगम द्वारा संबंधित स्थलों की साफ-सफाई कराई गई है तथा प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त किया गया है, ताकि नागरिकों को उत्सव के दौरान

किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। नगर निगम का उद्देश्य दशहरा उत्सव के अवसर पर शहरवासियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना है। निगम द्वारा नागरिकों से भी अपील की जाती है कि वे स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें तथा कचरा निर्धारित स्थानों पर ही डालें।

स्विफ्ट कार और घर से 15.5 किलो गांजा बरामद, दो तरकर गिरफ्तार

गांजा बिक्री के 91 हजार रुपये नकद जप्त, पुलिस ने सप्लायर तक पहुंचकर किया नेटवर्क का खुलासा

बलीदाबाजार। लौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने अवैध गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 15 किलो 500 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से गांजा बिक्री की 91,100 रुपये नकद रकम, प्लास्टिक रैपर और तस्करी में प्रयुक्त स्विफ्ट कार सहित कुल 3 लाख 96 हजार 100 रुपये मूल्य के सामग्री जप्त की गई है। पुलिस के अनुसार, 17 अक्टूबर को सिटी कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम खोरसीनाला पनगांव निवासी आकाश कुर्से अपने घर और स्विफ्ट कार क्रमांक छव 22-ए 0325 में गांजा रखकर बिक्री



कर रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर नियमानुसार तलाशी ली। इस दौरान घर की रसोई के छत्ते और कार की डिब्बी से कुल 15 किलो 500 ग्राम गांजा बरामद हुआ। मौके से नकद रकम और प्लास्टिक रैपर भी जप्त किए गए। पुलिस ने आकाश ने गनियारी/भानपुर निवासी भूषण कुमार यादव से गांजा प्राप्त करना बताया। इसके बाद पुलिस टीम ने गिरौदपुरी क्षेत्र में दबिश देकर भूषण को भी गिरफ्तार किया।

पुलिस के मुताबिक, उसने आकाश को गांजा सप्लाई करने की बात स्वीकार की है। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई के बाद दोनों आरोपियों के विरुद्ध सिटी कोतवाली में अपराध क्रमांक 870/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) और 29 में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई है। पुलिस दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया में जुटी है।

25 फीट ऊंचे शिवलिंग और नौ चैतन्य देवियों की अलौकिक झांकी देखने उमड़ी भीड़

बेमेतरा में नवरात्रि पर अध्यात्म और कला का संगम



बेमेतरा। नवरात्रि के पावन पर्व पर बेमेतरा शहर में भक्ति, अध्यात्म और कला का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरी विश्व विद्यालय, बेमेतरा सेवा केन्द्र द्वारा 25 फीट ऊंचा भव्य शिवलिंग, आकर्षक गुफा और नौ चैतन्य देवियों की

अलौकिक झांकी सजाई गई है, जो ब्रह्मलुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। नवरात्रि के सातवें दिन आयोजित कार्यक्रम में गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया और नौ चैतन्य देवियों की आरती की। इस अवसर पर पूरा वातावरण भक्तिमय हो

गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से समाधान कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. अवधेश पटेल, डॉ. नेहा वर्मा, स्कैन स्पेशलिस्ट डॉ. दुमेश, आनंद साहू तथा थानखमहरिया के प्रसिद्ध व्यवसायी अनिल सिंघानिया सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने विशाल

शिवलिंग, गुफा की विशेष सज्जा और ध्वनि-प्रकाश से सुसज्जित देवी झांकी का अवलोकन किया। शिक्षा, चिकित्सा, पत्रकारिता और व्यवसाय जगत से जुड़े अतिथियों की उपस्थिति ने आयोजन को सामाजिक रूप से भी महत्वपूर्ण बना दिया।

25 फीट ऊंचा शिवलिंग बना आकर्षण का केंद्र

आयोजन का मुख्य आकर्षण 25 फीट ऊंचा शिवलिंग है। आयोजकों ने बताया कि शिव शांति, कल्याण और आत्मिक शक्ति के प्रतीक है। गुफा के भीतर नौ देवियों के दिव्य स्वरूपों को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया है, जो शक्ति, साहस, ज्ञान और बुराई पर अछाई की विजय का संदेश देती है।

बी.के. शशि बहन ने दिया आमंत्रण

ब्रह्माकुमारीज बेमेतरा सेवा केंद्र की प्रभारी बी.के. शशि बहन ने जिलेवासियों को सपरिवार झांकी दर्शन के लिए हार्दिक आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि नवरात्रि केवल पूजा का पर्व नहीं, बल्कि अपने भीतर की शक्तियों को पहचानने और श्रेष्ठ संस्कार धारण करने का अवसर है। राजयोग मैडिटेशन से मन शांत और स्थिर होता है।

21 अक्टूबर से सात दिवसीय निःशुल्क राजयोग शिविर

बी.के. शशि बहन ने बताया कि झांकी के साथ-साथ 21 अक्टूबर 2026 से सात दिवसीय निःशुल्क राजयोग शिविर का आयोजन भी किया जाएगा। आज की तनावपूर्ण जीवनशैली में राजयोग मन को संतुलित और संतुलित बनाने में सहायक है। उन्होंने सभी जिलेवासियों से शिविर में शामिल होकर लाभ लेने की अपील की है।

संक्षिप्त समाचार

मासूम बच्चे से मारपीट और सिगरेट से दागने के आरोप में सौतेला पिता और मां गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में मासूम बच्चे के साथ मारपीट करने और सिगरेट से शरीर दागने के मामले में पुलिस ने उसके सौतेले पिता और मां को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, बच्चे के साथ क्रूरतापूर्ण व्यवहार किए जाने की शिकायत मोहल्लेवासियों ने थाने में दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की और फिर गिरफ्तार कर लिया। जगत ने मोहल्ले के लोगों के साथ सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि 13 अक्टूबर 2026 को सुबह करीब 8:30 बजे राजा उर्फ सुरेश दीप ने मासूम बच्चे और उसके भाई के साथ मारपीट की। आरोप है कि सौतेले पिता ने बच्चे को बेरहमी से पीटा और सिगरेट से उसके शरीर को दागा। इससे उसके चेहरे, आंख और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं। शिकायत के अनुसार, बच्चों के साथ कथित हिंसा के दौरान उनकी मां अनु देवी ने हस्तक्षेप कर घटना रोकने के बजाय आरोपी का साथ दिया और मामले को छिपाने का प्रयास किया। पुलिस ने मामले में अपराध क्रमांक 543/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 3(5) तथा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम की धारा 75 के तहत जांच शुरू की। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन और थाना प्रभारी सिविल लाइन के नेतृत्व में पुलिस ने शिकायतकर्ता और गवाहों से पूछताछ की।

रायपुर में 85 किलो गांजा जब्त, तीन आरोपी गिरफ्तार 58 लाख का माल बरामद

रायपुर। रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने सुखे नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 85 किलोग्राम गांजा जब्त कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गांजा तस्करी में इस्तेमाल महिंद्रा कार और चार मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। जब्त गांजे की कीमत करीब 42.50 लाख रुपये और गांजा सहित अन्य सामग्री की कुल कीमत लगभग 58 लाख रुपये बताई गई है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने गांजा ओडिशा के बलांगीर से लाना बताया है। पुलिस अब गांजे के स्रोत, संभावित खरीदारों और तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। पुलिस के मुताबिक, 16 अक्टूबर 2026 को एंटी ड्राइम एंड साइबर यूनिट को सूचना मिली थी कि सिविल लाइन थाना क्षेत्र के दुर्गा चौक मैदान के पास एक चारपहिया वाहन में गांजा रखा गया है और उसमें सवार लोग बिज्जी की पिचाक में हैं। सूचना पर पुलिस उपायुक्त (ड्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला और पुलिस उपायुक्त (सेंट्रल जेन) तारकेश्वर पटेल ने संबंधित टीमों को कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद एंटी ड्राइम एंड साइबर यूनिट, एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स और सिविल लाइन थाना पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। मुखबिर के बताए वाहन की पहचान कर उसमें सवार तीन लोगों से पूछताछ की गई।

नगरीय निकाय चुनाव के लिए भाजपा ने कसी कमर, सभी 17 निकायों में जीत का लक्ष्य

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों को लेकर भाजपा ने संगठनात्मक गतिविधियां तेज कर दी हैं। राजधानी रायपुर स्थित कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित बैठक में प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने पार्टी पदाधिकारियों और जिला प्रभारियों के साथ चुनावी तैयारियों की समीक्षा की और आगामी रणनीति पर चर्चा की। बैठक में सांसदों और विधायकों ने भी हिस्सा लिया। भाजपा ने प्रदेश के सभी 17 नगरीय निकायों में जीत हासिल करने का लक्ष्य रखा है। बैठक में नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत क्षेत्रों में संगठन की भूमिका, स्थानीय स्तर पर चुनावी तैयारियों और प्रचार अभियान को मजबूत करने जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, अखिलेश सोनी और डॉ. नवीन मार्कंडेय, प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रेही तथा क्रेडा अध्यक्ष भूपेन्द्र सक्ती सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

डोडा बेचने ग्राहक का इंतजार कर रहे तीन आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। बस्तर पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए डोडा बेचने के लिए ग्राहकों का इंतजार कर रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से कुल 2.994 किलोग्राम डोडा बरामद किया गया है, जिसकी कीमत 29,940 रुपये बताई गई है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर तीनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर विशेष एनडीपीएस न्यायालय, जगदलपुर में पेश किया। पुलिस के अनुसार, बोधघाट थाना क्षेत्र में मुखबिर से सूचना मिली थी कि मेटगुड़ा स्थित रेलवे स्कूल मैदान के पास दो व्यक्ति अवैध रूप से डोडा रखकर बेचने के लिए ग्राहकों का इंतजार कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखरंजन सिंह राठौर के मार्गदर्शन और नगर पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार के पर्यवेक्षण में बोधघाट थाना प्रभारी निरीक्षक टाभेश्वर चौहान के नेतृत्व में टीम गति की गई।

प्रभु श्रीराम से छत्तीसगढ़ का गहरा आत्मीय नाता, माता कौशल्या का मायका और भगवान श्रीराम का ननिहाल है छत्तीसगढ़

सत्य और धर्म की विजय का शाश्वत संदेश देता है विजयादशमी का पर्व

■ सत्य, न्याय और मानवता के पक्ष में खड़े रहना ही प्रभु श्रीराम के आदर्शों का वास्तविक अनुसरण

■ मुख्यमंत्री ने रायपुर के ऐतिहासिक डब्ल्यूआरएस मैदान में किया रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन

रायपुर/संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि विजयादशमी का पर्व केवल बुराई पर अच्छाई की विजय का उत्सव नहीं, बल्कि सत्य, धर्म, न्याय और मानवता के मार्ग पर अडिग रहने का शाश्वत संदेश देने वाला महान सांस्कृतिक पर्व है।

महतारी वंदन की राशि से बच्चों के सपनों को पंख...

■ कॉपी-पेन से लेकर घर की जरूरतें हो रही पूरी 32वीं किस्त से मानकुंवर मसराम को मिली राहत, बच्चों की पढ़ाई और घरेलू खर्च में कर रही राशि का उपयोग

रायपुर। बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाकर उनका भविष्य संवारना हर मां का सपना होता है, लेकिन सीमित आय वाले परिवारों के लिए पढ़ाई और रोजमर्रा के खर्चों के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता। ऐसे में महतारी वंदन योजना से मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता महिलाओं के लिए मददगार साबित हो रही है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के पेंड्रा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत लाटा के जोड़ा तालाब निवासी मानकुंवर मसराम के लिए योजना की राशि बच्चों की पढ़ाई

प्रभु श्रीराम का जीवन हमें सिखाता है कि सत्य का मार्ग कितना भी कठिन और चुनौतियों से भरा क्यों न हो, अंततः विजय सत्य और धर्म की ही होती है। जीवन में जब भी सही और गलत में से किसी एक पक्ष को चुनने का अवसर आए, हमें सदैव सत्य, न्याय और मानवता के पक्ष में खड़ा होना चाहिए, क्योंकि हम किसके साथ खड़े हैं, यही हमारे चरित्र और संस्कारों की वास्तविक पहचान है। मुख्यमंत्री श्री साय आज राजधानी रायपुर के ऐतिहासिक डब्ल्यूआरएस मैदान में आयोजित विजयादशमी महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने हजारों लोगों की उपस्थिति और प्रभु श्रीराम के जयकारों के बीच धनुष-बाण से रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के विशाल पुतलों का दहन किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों को विजयादशमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और मंगल की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विजयादशमी हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक समरसता और

शुद्धि और नैतिकता का प्रतीक है

राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। यह पर्व हमें अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के साथ-साथ समाज में सद्भाव, नैतिकता और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायपुर का डब्ल्यूआरएस मैदान पांच दशकों से अधिक समय से विजयादशमी उत्सव की गौरवशाली परंपरा का साक्षी रहा है। प्रतिवर्ष यहां रावण दहन के



शुद्धि और नैतिकता का प्रतीक है। यह पर्व हमें अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के साथ-साथ समाज में सद्भाव, नैतिकता और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायपुर का डब्ल्यूआरएस मैदान पांच दशकों से अधिक समय से विजयादशमी उत्सव की गौरवशाली परंपरा का साक्षी रहा है। प्रतिवर्ष यहां रावण दहन के

शुद्धि और नैतिकता का प्रतीक है शारीरिक संबंध बनाने और मारपीट के आरोप में युवक गिरफ्तार

रायपुर। शादी का प्रलोभन देकर शारीरिक संबंध बनाने और शादी की बात पर विवाद होने पर गाली-गलौज व मारपीट करने के आरोप में कबीरधाम जिले की महिला थाना पुलिस ने 21 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी ओमकार श्रीवास, निवासी सकरहा घाट, थाना कवर्धा को 17 अक्टूबर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने 4 अक्टूबर 2026 को महिला थाना कवर्धा में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि वर्ष 2025 में जिले के एक निजी संस्थान में काम करने के दौरान उसकी पहचान ओमकार श्रीवास से हुई थी। बातचीत बढ़ने के बाद दोनों के बीच परिचय हो गया।

बकरियों की स्वास्थ्य रक्षा के लिए चलाया जा रहा है सघन पीपीआर टीकाकरण अभियान

रायपुर। बकरी को गरीब की गाय कहा जाता है। नारायणपुर जिला के ग्रामीण परिवेश में बकरीपालन सदैव ही पशुपालकों के आर्थिक सामाजिक विकास की घुरी रहा है। कलेक्टर श्रीमती नम्रता जैन के निर्देशानुसार पशुधन विकास विभाग के द्वारा 21 सितंबर 2026 से 07 नवंबर तक भेड़-बकरियों की एक बहुत ही संक्रामक रोग बकरी प्लेग (पीपीआर) रोग का सघन टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा है। उपसंचालक डॉ आर के पडोटी के नेतृत्व में जिले में 11 टीकाकरण दल का गठन किया गया है। ये दल अपने संस्था क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में भ्रमण करते हुए 3 महीने से ज्यादा उम्र के भेड़ बकरियों में टीकाकरण कार्य को संपादित कर रहे हैं। टीकाकरण अभियान के दौरान 102 गांवों में 31788 टीकाकरण किया जा चुका है। बकरी प्लेग रोग भेड़ बकरियों की बहुत ही संक्रामक एवं जानलेवा विषाणु जनित रोग है। इस बिमारी से ग्रसित होने पर इन पशुओं तेज बुखार, मुंह में छाले, नाक आंख से पानी निकलना, सांस लेने में परेशानी, दस्त और कमजोरी जैसे लक्षण दिखते हैं। सही उपचार के अभाव में पशुओं की मृत्यु भी हो जाती है। टीकाकरण के माध्यम से इस बिमारी से भेड़ बकरियों को बचाया जा सकता है। बकरी का मांस प्रोटीन एवं वसा का एक बहुत ही अच्छा स्रोत होता है।

उप मुख्यमंत्री ने अटल डिजिटल सेवा केंद्र भवन किया लोकार्पण

अचानकपुर में ग्रामीणों के बीच पहुंचे उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा,दी 48 लाख रुपए के विकास कार्यों की सौगात....

■ भलपहरी और अचानकपुर में ग्रामीणों के बीच पहुंचे उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, दी 48 लाख रुपए के विकास कार्यों की सौगात

■ गांवों के विकास और मूलभूत सुविधाओं का विस्तार सरकार की प्राथमिकता – उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने नवरात्रि के विभिन्न विधायक श्री विजय शर्मा ने नवरात्रि के विभिन्न विधायक श्री विजय शर्मा ने नवरात्रि के विभिन्न

सदाचार, एकता और न्याय में निहित होती है। हमारी सांस्कृतिक परंपराओं में निहित यही मूल्य पीढ़ी-दर-पीढ़ी हमें सही मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़वासियों के लिए विजयादशमी का पर्व विशेष महत्व रखता है, क्योंकि प्रभु श्रीराम का इस पावन धरती से अत्यंत गहरा और आत्मीय नाता है। छत्तीसगढ़ माता कौशल्या का मायका और प्रभु श्रीराम का ननिहाल माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार वनवास के दौरान प्रभु श्रीराम ने माता सीता और भ्राता लक्ष्मण के साथ छत्तीसगढ़ के वनांचलों में लंबा समय व्यतीत किया था। इसीलिए छत्तीसगढ़ की लोकआस्था, संस्कृति और जनजीवन में भगवान श्रीराम रचे-बसे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का संपूर्ण जीवन त्याग, मर्यादा, धैर्य, साहस और धर्म के प्रति अटूट निष्ठा का अनुपम उदाहरण है। वनवास के दौरान अनेक कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना करने के बावजूद वे कभी अपने कर्तव्य और धर्म के मार्ग से विचलित नहीं हुए।

पटवारियों की हड़ताल पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा बोले- गिरदावरी का काम बेहद जरूरी



रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में पटवारियों की हड़ताल, सीएम हेलपलाइन की शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पर तहसीलदार के निर्लंबन और एसएसआर (एसएसआर) अभियान के बहिष्कार को लेकर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पटवारियों की हड़ताल के बीच धान खरीदी की तैयारियों और गिरदावरी के महत्व पर जोर दिया। वहीं, सरकारी कामकाज में लापरवाही को लेकर स्पष्ट किया कि जिम्मेदार अधिकारियों को अपनी जवाबदेही निभानी होगी। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि

मतदाता पंजीयन अभियान को मिली गति, अंदरूनी गांवों तक पहुंच रहा निर्वाचन अमला



■ बीएलओ घर-घर पहुंचकर छूटे पात्र नागरिकों को जोड़ रहे मतदाता सूची से रायपुर/ संवाददाता

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, अद्यतन एवं समावेशी बनाने के उद्देश्य से विशेष मतदाता पंजीयन अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। जिला निर्वाचन कार्यालय के मार्गदर्शन में निर्वाचन अमला अंदरूनी एवं दूरस्थ गांवों तक पहुंचकर उन पात्र नागरिकों को पहचान कर रहा है, जिनका नाम किसी कारणवश मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सका है। बृथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर नागरिकों को जागरूक करने के साथ फॉर्म-6 निर्माण से नए पंजीयन की प्रक्रिया पूरी कराने में जुटे हैं। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बीच भी निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप दर्ज किया जा रहा है। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची में नाम दर्ज नहीं करा सके नागरिकों के

मामलों में पात्रता के आधार पर पुनः सत्यापन की प्रक्रिया भी अपनाई जा रही है। पात्र पाए जाने वाले नागरिकों को नियमानुसार आवेदन कर मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अभियान को व्यवस्थित और परिणामोन्मुख बनाने के लिए बीएलओ को आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया है, वहीं संबंधित तहसीलदार एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मैदानी कार्यों की नियमित निगरानी और प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं। दूसरी ओर,SVEEP कार्यक्रम के तहत जिले के हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में निर्वाचक साक्षरता क्लब के माध्यम से विद्यार्थियों और युवाओं को लोकतंत्र, मतदान के महत्व तथा मतदाता पंजीयन की जानकारी दी जा रही है। 17 वर्ष या उससे अधिक आयु के युवाओं को अग्रिम आवेदन की सुविधा के प्रति जागरूक कर भविष्य के मतदाताओं को लोकातांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने की दिशा में भी पहल की जा रही है। जिला निर्वाचन कार्यालय की पात्र नागरिकों से अपील है कि जिनका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे फॉर्म-6 भ्रकर पंजीयन के लिए आवेदन करें। नागरिक अपने क्षेत्र के बीएलओ से संपर्क कर सकते हैं अथवा निर्वाचन आयोग के मतदाता सेवा पोर्टल पर जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मतदाता पंजीयन एवं निर्वाचन संबंधी सहायता के लिए हेलपलाइन नंबर '1950' पर भी संपर्क किया जा सकता है।

संपादकीय

पश्चिम एशिया संघर्ष में 16 भारतीय नाविकों की मौत से चिंता बढ़ी। भारत की अपने नागरिकों की सुरक्षा और हमलों की जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए। पश्चिम एशिया और फारस की खाड़ी में जारी संघर्ष ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। ऊर्जा और आवश्यक वस्तुओं की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने के साथ-साथ अब मानवीय

संकट भी बढ़ता जा रहा है। समुद्री मार्गों में अपना प्रभाव मजबूत करने के लिए संघर्षरत पक्षों की ओर से भारत समेत अन्य देशों के नागरिकों को भी निशाना बनाया जा रहा है।ासरकारी आंकड़ों के मुताबिक, फारस की खाड़ी और काला सागर में हमलों के दौरान अब तक सोलह भारतीय नाविकों की जान जा चुकी है। ऐसे में अहम सवाल यह है कि

क्या किसी युद्ध में आम नागरिकों को जानबूझकर निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सीधा उल्लंघन नहीं है?क्या इन हमलों के लिए वैश्विक स्तर पर संबंधित पक्षों की जवाबदेही तय नहीं की जानी चाहिए? दूसरी ओर, भारत के शासन की भी जिम्मेदारी है कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। बिना किसी उकसावे के हो रहे इन हमलों

में भारतीयों की मौत पर महज औपचारिक चिंता व्यक्त करने के बजाय भारत को ऐसी घटनाओं के खिलाफ कड़ा प्रतिरोध दर्ज करना चाहिए।इसमें दोरय नहीं कि पश्चिम एशिया भारत के लिए रणनीतिक और आर्थिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। फारस की खाड़ी के देशों में काम करने वाले भारतीय देश की अर्थव्यवस्था में भी अहम योगदान देते हैं।

विदेश से भेजी जाने वाली उनकी कमाई देश के लिए विदेशी मुद्रा का एक बड़ा स्रोत है। इसलिए इस क्षेत्र में संघर्ष और अस्थिरता का सीधा असर भारत के नागरिकों की सुरक्षा और आर्थिक हितों पर पड़ना स्वाभाविक है।ासरकार का दावा है कि होमुंज जलमार्ग क्षेत्र से अब तक चार हजार से अधिक भारतीय नाविकों को सुरक्षित वापस लाया गया है। अमेरिका-

ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से इस जलमार्ग और फारस की खाड़ी के कुछ हिस्सों में जहाजों पर हमले लगातार बढ़े हैं। अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार, युद्ध में शामिल पक्षों के लिए सैनिकों और आम नागरिकों के बीच अंतर करना अनिवार्य है।किसी तीसरे देश के नागरिकों को निशाना बनाना भी नियमों के खिलाफ है।

चारधाम यात्रा के दौरान इस वर्ष सितंबर के मध्य तक 800 टन से अधिक कचरा एकत्र होने की सूचना इस संकट की गंभीरता को सामने रखती है। केदारनाथ जैसे अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र में अप्रैल से अगस्त के बीच 50.30 टन कचरा जमा होना विशेष चिंता का विषय है। यह तथ्य इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में फेंकी गई एक प्लास्टिक बोतल केवल एक बोतल नहीं रहती, वह लंबे समय तक पर्यावरण में मौजूद रहकर मिट्टी, जल स्रोतों और वन्य जीवन के लिए खतरा बन सकती है। विडंबना देखिए-जिस स्थान पर मनुष्य आत्मशुद्धि, संयम और त्याग की भावना लेकर जाता है, वहीं वह अपने पीछे कचरे का निशान छोड़ आता है। क्या ऐसी यात्रा को वास्तव में तीर्थ यात्रा कहा जा सकता है? तीर्थ का अर्थ केवल किसी मंदिर तक पहुंच जाना नहीं है। तीर्थ मनुष्य के भीतर परिवर्तन की यात्रा है। यदि मंदिर में माथा टेकने के बाद हम उसी पर्वत की गोद में प्लास्टिक फेंक दें, जिसकी पवित्रता के नाम पर वहां पहुंचे हैं, तो हमारी आस्था अधूरी रह जाती है।

(ललित गर्ग)

हिमाचल प्रदेश के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर भीड़ का अनियंत्रित बढ़ना इसी व्यापक संकट का हिस्सा है। शिमला, मनाली, धर्मशाला, चामुंडा, ज्वालाजी, चिंतपूणी, नैना देवी और अन्य धार्मिक-पर्यटन स्थलों पर मौसम विशेष में बढ़ने वाला दबाव यातायात, जलापूर्ति, सीवेज, ठोस कचरा और स्थानीय संसाधनों पर असर डालता है।

हिमालय केवल पर्वतों की एक श्रृंखला नहीं है, वह भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक आस्था और प्राकृतिक जीवन का आधार है। उसकी चोटियों में तप की स्मृतियां हैं, उसकी नदियों में करोड़ों लोगों की जीवनधारा बहती है और उसकी घाटियों में असंख्य धार्मिक स्थल सदियों से श्रद्धालुओं को आकर्षित करते रहे हैं। हिमाचल प्रदेश सहित पूरे हिमालयी क्षेत्र में हिंदू धर्म के अनेक प्रमुख तीर्थस्थल हैं। इन स्थानों पर पहुंचना श्रद्धालुओं के लिए आस्था का विषय है, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि पिछले कुछ वर्षों में तीर्थयात्रा और पर्यटन के बीच की सीमा धुंधली होती जा रही है। दर्शन और आध्यात्मिक अनुभूति के साथ मनोरंजन, मीज-मस्ती और उपभोक्तावादी जीवनशैली का प्रवेश पहाड़ों की संवेदनशीलता पर भारी पड़ रहा है। हिमालय की सबसे बड़ी विशेषता हो उसकी सबसे बड़ी कमजोरी भी है। यहां का पर्यावरण अत्यंत नाजूक है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मिट्टी की परत पतली है, वनस्पतियों की पुनरुत्पादन क्षमता सीमित है और कचरे के प्राकृतिक रूप से नष्ट होने की प्रक्रिया मैदानी क्षेत्रों की तुलना में बहुत धीमी है। इसके बावजूद हम हजारों-लाखों लोगों को एक साथ इन क्षेत्रों में पहुंचा रहे हैं। वाहनों की लंबी कतारें, पार्किंग का दबाव, होटल और ढाबों का अनियोजित विस्तार, प्लास्टिक की बोतलें, खाद्य पदार्थों के पैपर, पॉलीथिन और डिस्पोजेबल सामग्री पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यावरण को लगातार चोट पहुंचा रहे हैं।

चारधाम यात्रा के दौरान इस वर्ष सितंबर के मध्य तक 800 टन से अधिक कचरा एकत्र होने की सूचना इस संकट की गंभीरता को सामने रखती है। केदारनाथ जैसे अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र में अप्रैल से अगस्त के बीच 50.30 टन कचरा जमा होना विशेष चिंता का विषय है। यह तथ्य इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में फेंकी गई एक प्लास्टिक बोतल केवल एक बोतल नहीं रहती, वह लंबे समय तक पर्यावरण में मौजूद रहकर मिट्टी, जलस्रोतों और वन्यजीवन के लिए खतरा बन सकती है। विडंबना देखिए-जिस स्थान पर मनुष्य आत्मशुद्धि, संयम और त्याग की भावना लेकर जाता है, वहीं वह अपने पीछे कचरे का निशान छोड़ आता है। क्या ऐसी यात्रा को वास्तव में तीर्थयात्रा कहा जा सकता है? तीर्थ का अर्थ केवल किसी मंदिर तक पहुंच जाना नहीं है। तीर्थ मनुष्य के भीतर परिवर्तन की यात्रा है। यदि मंदिर में माथा टेकने के बाद हम उसी पर्वत की गोद में प्लास्टिक फेंक दें, जिसकी पवित्रता के नाम पर



वहां पहुंचे हैं, तो हमारी आस्था अधूरी रह जाती है।

इस संदर्भ में ‘कैरी मी बैक’ अभियान उम्मीद की एक महत्वपूर्ण किरण है। लगभग पांच हजार तीर्थयात्रियों द्वारा करीब 18 किलोमीटर के रास्ते से 12 टन से अधिक कंप्रेस्ड प्लास्टिक वापस नीचे लाना बताता है कि श्रद्धालुओं को सहभागी बनाया जाए तो वे पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यह केवल कचरा उठाने का अभियान नहीं, बल्कि तीर्थयात्रा की मानसिकता बदलने का प्रयास है। ऐसे अभियानों को व्यापक स्वरूप देकर हिमाचल, उत्तराखंड और अन्य हिमालयी तीर्थ क्षेत्रों में लागू किया जाना चाहिए। अमरनाथ यात्रा से मिला अनुभव भी सकारात्मक दिशा दिखाता है। पुनः उपयोग किए जाने वाले बर्तनों और पानी भरने की सुविधाओं के विस्तार के कारण यात्रियों की संख्या में 17 प्रतिशत वृद्धि के बावजूद प्रति यात्री कचरे में 15 प्रतिशत कमी आना इस बात का प्रमाण है कि सुविधाजनक और वैज्ञानिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए तो पर्यावरणीय दबाव कम किया जा सकता है। इसलिए केवल श्रद्धालुओं से अपील करना पर्याप्त नहीं है, प्रशासन को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार सबसे सहज विकल्प बने।

हिमाचल प्रदेश के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर भीड़ का अनियंत्रित बढ़ना इसी व्यापक संकट का हिस्सा है। शिमला, मनाली, धर्मशाला, चामुंडा, ज्वालाजी, चिंतपूणी, नैना देवी और अन्य धार्मिक-पर्यटन स्थलों पर मौसम विशेष में बढ़ने वाला दबाव यातायात, जलापूर्ति, सीवेज, ठोस कचरा और स्थानीय संसाधनों पर असर डालता है। हिमालय केवल पर्वतों की एक श्रृंखला नहीं है, वह भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक आस्था और प्राकृतिक जीवन का आधार है। उसकी चोटियों में तप की स्मृतियां हैं, उसकी नदियों में करोड़ों लोगों की जीवनधारा बहती है और उसकी घाटियों में असंख्य धार्मिक स्थल सदियों से श्रद्धालुओं को आकर्षित करते रहे हैं। हिमाचल प्रदेश सहित पूरे हिमालयी क्षेत्र में हिंदू धर्म के अनेक प्रमुख तीर्थस्थल हैं। इन स्थानों पर पहुंचना श्रद्धालुओं के लिए आस्था का विषय है, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि पिछले कुछ वर्षों में तीर्थयात्रा और पर्यटन के बीच की सीमा धुंधली होती जा रही है। दर्शन और आध्यात्मिक अनुभूति के साथ मनोरंजन, मीज-मस्ती और उपभोक्तावादी जीवनशैली का प्रवेश पहाड़ों की संवेदनशीलता पर भारी पड़ रहा है। हिमालय की सबसे बड़ी विशेषता हो उसकी सबसे बड़ी कमजोरी भी है। यहां का पर्यावरण अत्यंत नाजूक है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मिट्टी की परत पतली है, वनस्पतियों की पुनरुत्पादन क्षमता सीमित है और कचरे के प्राकृतिक रूप से नष्ट होने की प्रक्रिया मैदानी क्षेत्रों की तुलना में बहुत धीमी है। इसके बावजूद हम हजारों-लाखों लोगों को एक साथ इन क्षेत्रों में पहुंचा रहे हैं। वाहनों की लंबी कतारें, पार्किंग का दबाव, होटल और ढाबों का अनियोजित विस्तार, प्लास्टिक की बोतलें, खाद्य पदार्थों के पैपर, पॉलीथिन और डिस्पोजेबल सामग्री पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यावरण को लगातार चोट पहुंचा रहे हैं।

डालता है। पहाड़ों की वहन क्षमता मैदानी शहरों जैसी नहीं है। इसलिए किसी भी तीर्थ या पर्यटन स्थल की लोकप्रियता को केवल अधिकाधिक लोगों को वहां पहुंचाने की सफलता के रूप में नहीं देखा जा सकता। अब समय आ गया है कि ‘जितने अधिक पर्यटक, उतना अधिक विकास’ की सोच को ‘जितना संवेदनशील पर्यावरण, उतना जिम्मेदार पर्यटन’ में बदला जाए। तीर्थस्थलों की वहन क्षमता का वैज्ञानिक अध्ययन हो और उसके आधार पर प्रतिदिन या मौसम के अनुसार आगंतुकों की संख्या निर्धारित की जाए। सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रभावी नियंत्रण हो, पानी के रिफिल स्टेशन बढ़ाए जाएं, बोतलों और पैकेजिंग के लिए डिपॉजिट-रिटर्न व्यवस्था लागू की जाए तथा कचरे को स्रोत पर ही अलग करने की व्यवस्था हो। दुकानدارों, होटल संचालकों और वेंडरों को उनके द्वारा उत्पन्न कचरे के प्रति जवाबदेह बनाया जाना चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण है तीर्थयात्री की मानसिकता में परिवर्तन। पहाड़ हमारे मनोरंजन के मैदान नहीं हैं, वही नदी नीचे बसे करोड़ों लोगों का जीवन है। जिस जंगल को हम कैमरे में कैद करते हैं, वही जंगल पहाड़ों पारिस्थितिकी को संतुलित करता है। जिस पर्वत को हम देवभूमि कहकर नमन करते हैं, उसकी छलांगें पर प्लास्टिक फेंकना हमारी अपनी श्रद्धा का अपमान है। नेपाल और हिमालयी क्षेत्र में समय-समय पर अत्यधिक वर्षा, बाढ़, भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं ने यह चेतावनी दी है कि पर्वतीय पारिस्थितिकी के साथ छेड़छाड़ के परिणाम गंभीर हो सकते हैं। हर आपदा की सीधे

पर्वतन या प्रदूषण का परिणाम मानना वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं होगा, लेकिन इतना निश्चित है कि अनियोजित निर्माण, अत्यधिक मानवीय दबाव, वन क्षरण और कचरा प्रबंधन की कमजोरी पर्वतीय क्षेत्रों की संवेदनशीलता को बढ़ा सकती है।

हिमालय आज चिन्ताओं का हिमालय बन गया है। कुछ दशकों में खासकर हिमालयी क्षेत्र के राज्यों में विकास के नाम पर जहां प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हुआ है, वहीं धार्मिक पर्यटन के नाम पर व्यापक स्तर पर प्रदूषण फैला है। इतना ही नहीं, प्रकृति से खिलवाड़ कर नियमों के खिलाफ ऐसा निर्माण खड़ा किया जा रहा है, जो बाढ़ और भूस्खलन के साथ बर्बादी लेकर आता रहा है। सवाल यह भी है कि पहाड़ी राज्यों में विकास का क्या पैमाना होना चाहिए? अगर विकास के नाम पर कहीं निर्माण गतिविधियां आवश्यक हों तो वह नियोजन के साथ ही आपदाओं को झेलने में सक्षम होनी चाहिए। आम तौर पर देखा गया है कि इन राज्यों में पर्यटन एवं धार्मिक यात्राओं को बढ़ावा देने के नाम पर ऐसी बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी हो गईं जो न सिर्फ बाढ़ और भूस्खलन झेलने में अक्षम साबित हुईं, बल्कि पर्यावरण के हिसाब से भी नुकसानदेह रही हैं। ऐसे निर्माण में सरकारी स्तर पर संतर्कता की जो उम्मीद की जाती है, उसे नजरअंदाज किया गया।

हिमालय हमें बहुत कुछ देता है-जल, वन, जैव विविधता, जलवायु संतुलन, संस्कृति और आध्यात्मिक ऊर्जा। बदले में हमारी जिम्मेदारी केवल वहां जाकर पूजा करना नहीं, बल्कि उस प्रकृति की रक्षा करना भी है। तीर्थयात्री यदि एक बोतल पानी लेकर पहाड़ पर जा सकता है तो खाली बोतल वापस भी ला सकता है। यह छोट्टा-सा संकल्प बड़े परिवर्तन का आधार बन सकता है। आस्था और पर्यावरण एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। धार्मिक यात्रा का वास्तविक संस्कार तभी पूर्ण होगा जब तीर्थयात्री मंदिर से लौटते समय अपने साथ प्रसाद ही नहीं, प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी भी लेकर लौटे। सरकार व्यवस्था करे, स्थानीय समुदाय भागीदारी निभाएं और श्रद्धालु अपना कचरा वापस लाने का संकल्प लें-तभी हिमालय की पवित्रता सुरक्षित रह सकेगी। हिमालय को केवल देवभूमि कहने से उसकी रक्षा नहीं होगी, उसे देवभूमि की तरह व्यवहार देकर ही उसकी पवित्रता बचाई जा सकती है।

यहां तक कि पर्वे पर दिखती कोई भूमिका भी लोगों के मन में उतर जाती है। उनके व्यक्तिगत जीवन की बातों का भी आमजन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। वर्तमान में सोशल मीडिया की बढ़ती पहुंच के कारण फिल्मी सितारों के माध्यम से आपासी मंचों पर परोसी गई सामग्री भी युवाओं के मानस पर दस्तक देने लगी है। फ्ल-फ्ल सामने आते अपने पसंदीदा चेहरों द्वारा किए गए विज्ञापन बहुत सरलता से उन्हें किसी बुरी लत, नकारात्मक बर्ताव या जीवन को असहज करने वाली आदत का अनुसरण करने के मार्ग पर धकेल देते हैं।

सेहत से खिलवाड़ करने वाले उत्पादों का प्रचार करते ही क्यों है?

पिछले दिनों राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने फिल्मी कलाकारों से आग्रह किया कि वे ऐसी चीजों का प्रचार न करें, जिनसे लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। जाहिर है, लोकप्रिय चेहरों का हानिकारक उत्पादों का प्रचार करना पूरी सामाजिक व्यवस्था पर असर डालता है। यही कारण है कि सोच-समझकर पूरे योजनागत ढंग से चर्चित हस्तियों को ऐसे प्रचार का हिस्सा बनाया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से भी कहा जा चुका है कि दुनिया भर में हर साल तंबाकू उत्पादों के सेवन से लगभग अस्सी लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। आम लोगों को बहकाने के लिए विज्ञापन रणनीतियों का सहारा लिया जाता है, जिन पर अरबों रुपये खर्च किए जाते हैं।

इसमें दोराय नहीं कि नामी-गिरामी हस्तियों की खास छवि की जनमानस में गहरी पैठ होती है। जन-कल्याण से जुड़ी सजगता का संदेश देने वाले विज्ञापन हो या विशुद्ध व्यावसायिक उत्पादों का प्रचार, लोकप्रिय चेहरों की पहुंच और

(मोनिका शर्मा)

पिछले दिनों राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने फिल्मी कलाकारों से आग्रह किया कि वे ऐसी चीजों का प्रचार न करें, जिनसे लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। यह व्यावहारिक तथ्य है कि लोकप्रियता अपने साथ जिम्मेदारी भी लाती है। फिल्मी दुनिया हो या खेल जगत, राजनीति का पटल हो, समाज सुधार से जुड़े चर्चित व्यक्तित्व-कमोवेश सभी क्षेत्रों से जुड़े सफल चेहरों की बातें और बर्ताव न केवल चर्चा का विषय बनते हैं, बल्कि उनका अनुसरण करने की मानसिकता भी खूब देखने को मिलती है। विशेषकर युवाओं पर उनकी हर गतिविधि का असर होता है। लोकप्रिय चेहरों की ओर से आमजन को प्रभावित करने के इस मोर्चे पर फिल्मी सितारे सबसे आगे होते हैं।

यहां तक कि पर्वे पर दिखती कोई भूमिका भी लोगों के मन में उतर जाती है। उनके व्यक्तिगत जीवन की बातों का भी आमजन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। वर्तमान में सोशल मीडिया की बढ़ती पहुंच के कारण फिल्मी सितारों के माध्यम से आपासी मंचों पर परोसी गई सामग्री भी युवाओं के मानस पर दस्तक देने लगी है। फ्ल-फ्ल सामने आते अपने पसंदीदा चेहरों द्वारा किए गए विज्ञापन बहुत सरलता से उन्हें किसी बुरी लत, नकारात्मक बर्ताव या जीवन को असहज करने वाली आदत का अनुसरण करने के मार्ग पर धकेल देते हैं।

सेहत से खिलवाड़ करने वाले उत्पादों का प्रचार करते ही क्यों है? पिछले दिनों राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने फिल्मी कलाकारों से आग्रह किया कि वे ऐसी चीजों का प्रचार न करें, जिनसे लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। जाहिर है, लोकप्रिय चेहरों का हानिकारक उत्पादों का प्रचार करना पूरी सामाजिक व्यवस्था पर असर डालता है। यही कारण है कि सोच-समझकर पूरे योजनागत ढंग से चर्चित हस्तियों को ऐसे प्रचार का हिस्सा बनाया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से भी कहा जा चुका है कि दुनिया भर में हर साल तंबाकू उत्पादों के सेवन से लगभग अस्सी लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। आम लोगों को बहकाने के लिए विज्ञापन रणनीतियों का सहारा लिया जाता है, जिन पर अरबों रुपये खर्च किए जाते हैं।

इसमें दोराय नहीं कि नामी-गिरामी हस्तियों की खास छवि की जनमानस में गहरी पैठ होती है। जन-कल्याण से जुड़ी सजगता का संदेश देने वाले विज्ञापन हो या विशुद्ध व्यावसायिक उत्पादों का प्रचार, लोकप्रिय चेहरों की पहुंच और

कलाकारों को अपने प्रभाव के साथ ही कानून का सम्मान करते हुए किसी उत्पाद, व्यवहार या आदत का प्रचार करते समय अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि प्रचार की मायावी दुनिया का खेल ही छलावे के दम पर चलता है। आमतौर पर इस छलावे का शिकार उपभोक्ता बनते हैं। गौर करने वाली बात है कि फिल्म और मनोरंजन जगत के जिन चर्चित चेहरों को लेकर उत्पाद या सेवा को प्रचारित किया जाता है, वे स्वयं इसका इस्तेमाल नहीं करते।

विशेषकर तब, जब कोई उत्पाद स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो। यह दुखद है कि उत्पादों-सेवाओं के प्रचार को लेकर किसी भी तरह की जिम्मेदारी की भावना कभी रही ही नहीं। यही वजह है कि हिंदी सिनेमा के कई सितारे पान मसाला और कई अन्य हानिकारक उत्पादों का प्रचार वर्षों से करते आ रहे हैं। कानूनी तौर पर भी ऐसे प्रचार को लेकर कानूनाई बहुत कम देखने को मिलती है।

बहुस आश्रयकार हमारी थाली और स्वास्थ्य से भी जुड़ती है। किसी फसल का ह्राइब्रिड और उन्नत या जीएम होना अकेले धनकी स्वास्थ्य-सुरक्षा तथ्य नहीं करता। यह भी देkhना जरूरी है कि उसे उगाने में क्या इस्तेमाल हुआ। भोजन में उसके अवशेष किन्ने बचे और स्वास्थ्य पर क्या असर पड़ा। हर उत्पाद की अलग जांच जरूरी है। बहुस डर की नहीं, जांच और पारदर्शिता की होनी चाहिए। वर्ष 2023 में सूचना के अधिकार के तहत दी गई जानकारी में सामने आया कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के पास आयातित फल-सब्जियों में जीएम उत्पादों की जांच का ठोस डेटा नहीं था।

खेती के भविष्य से लेकर हमारी थाली तक अहम है बीज पर अधिकार का सवाल

वर्ष 2023 में सूचना के अधिकार के तहत दी गई जानकारी में सामने आया कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के पास आयातित फल-सब्जियों में जीएम उत्पादों की जांच का ठोस डेटा नहीं था। मई, 2025 में प्राधिकरण ने जीएम खाद्य पदार्थों के आयात पर परामर्श पत्र जारी किया, लेकिन निगरानी पर सवाल अभी भी बने हुए हैं। क्या लोगों को यह जानने का अधिकार है कि उनकी थाली में क्या पहुंच रहा है? बीज का मसला खेत से अलग नहीं है। उसके साथ मिट्टी, पानी, खाद, कीटनाशक और खेती की पूरी लागत जुड़ी है।

(निमिषा सिंह)

बीजों की बदलती दुनिया में किसान के अधिकार, आत्मनिर्भरता, जैव विविधता और खाद्य सुरक्षा को बचाए रखते हुए नई कृषि तकनीकों और स्थानीय बीजों के बीच संतुलन बनाना क्यों जरूरी है। समय के साथ खेती बदली और इस बदलाव के साथ बीज की कहानी भी बदलती चली गई। आज बीज सिर्फ खेत में बोया जाने वाला दाना नहीं रह गया। उसके साथ बाजार, तकनीक, पेटेंट और कंपनियां जुड़ गई हैं। जाहिर है, जब बीज की दुनिया इतनी बदल गई, तो उस पर बहस भी होनी थी। यह बहस सिर्फ बीज की किस्मों तक सीमित नहीं रही, बल्कि किसान की पसंद, उसके अधिकार और खेती के भविष्य तक पहुंच गई। इसे समझने के लिए थोड़ा पीछे लौटना होगा-वहीं, जहां से खेती शुरू होती है, बीज से। पारंपरिक खेती में किसान अच्छी फसल से कुछ बीज अगली बुआई के लिए बचाकर रखता था। बेहतर किस्म के बीजों का आपस में आदान-प्रदान भी होता रहा। इससे अच्छे बीज एक किसान से खेत तक सीमित नहीं रहते थे। कौन-सा बीज किस मिट्टी में अच्छा फलेगा, कम पानी में कौन-सी किस्म टिकेगी और उसे वर्षों तक कैसे सुरक्षित रखना था, यह जान पीढ़ियों के अनुभव से बना था। जाना बीज सिर्फ फसल की शुरुआत नहीं, बल्कि किसान की अपनी तैयारी और आत्मनिर्भरता का हिस्सा था।

विकल्प बनाम निर्भरता – बीज जब खेत से निकलकर बाजार में पहुंचा, तो खेती



के बदलते दौर के साथ बीजों की दुनिया भी बदली। हरित क्रांति में अधिक उत्पादन देने वाली हाइब्रिड किस्मों और उन्नत बीजों का इस्तेमाल बढ़ा, जिनमें अलग-अलग किस्मों के अच्छे गुणों को संकरण के जरिए एक साथ लाने की कोशिश की जाती है। इससे कई फसलों में बेहतर पैदावार मिली, लेकिन अगली पीढ़ी में वही गुण कायम रहें, यह जरूरी नहीं है। ऐसे में किसान को नया बीज खरीदना पड़ सकता है। फिर सवाल उठ कि बदलते बीज बाजार ने किसानों के लिए विकल्प बढ़ाए हैं या उनकी आत्मनिर्भरता को कमजोर किया है। इसके बाद बहुस जीएम यानी आनुवंशिक रूप से संशोधित बीजों तक पहुंचती है। इनमें पौधे के

आनुवंशिक गुणों में वैज्ञानिक तरीके से बदलाव कर कोई खास गुण लाने की कोशिश की जाती है- जैसे कीट प्रतिरोध, रोग-सहनशीलता या पोषण संबंधी गुण। भारत में जीएम बीजों से बहुस मुख्यतः बीटी कपास के अनुभव से जुड़ी रही है, जिसके परिणामों को लेकर भी अलग-अलग मत हैं। जीएम फसलों के खुले में उत्पादन को लेकर चिंताएं कम नहीं हैं। गाई का है कि अगर वे फसलें खुले में उगाई गईं, तो पर-परगण के कारण भारत की मूल प्राकृतिक फसलें हमेशा के लिए ख़तरा हो सकती हैं। इसी बीच, एचटी-बीटी जैसे अनधिकृत जीएम बीजों की बिक्री और खेती की खबरें भी सामने आती रही हैं।

इससे एक बुनियादी सवाल उठता है कि जब अनधिकृत बीज नियमन से बाहर बाजार तक पहुंच सकते हैं, तो नई बीज तकनीकों की निगरानी और किसानों तक सही जानकारी पहुंचाने की व्यवस्था कितनी मजबूत है?

स्वायत्तता का सवाल – यहीं से बीज की बहुस एक विवादित तकनीक तक पहुंचती है- ‘टर्मिनेटर सीड’। इसे ‘जेनेटिक यूज रेस्ट्रिक्शन टेक्नोलॉजी’ कहा जाता है। सरल शब्दों में कहें, तो इसमें पौधे की अगली पीढ़ी के बीजों को इस तरह तैयार किया जा सकता है कि वे दोबारा बोने लायक न रहें। यानी किसान फसल तो पैदा करे, लेकिन उसके बीज को संरक्षित कर

दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण वितरित, ट्राइसाइकिल एवं व्हीलचेयर पाकर खिले चेहरे

विधायक आशाराम नेताम एवं कलेक्टर कुन्दन कुमार ने दिव्यांगजनों को किया प्रोत्साहित

भगवान महावीर दिव्यांग सहायता समिति जयपुर एवं जिला प्रशासन के संयुक्त सहयोग से कांकेर में आयोजित हुआ शिविर

कांकेर। भगवान महावीर दिव्यांग सहायता समिति, जयपुर एवं जिला प्रशासन उत्तर बस्तर कांकेर के संयुक्त सहयोग से आज जिला मुख्यालय कांकेर के मिनी स्टेडियम परिसर में दिव्यांगजन निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। ट्राइसाइकिल एवं व्हीलचेयर सहित सहायक उपकरण प्रदान कर दिव्यांगजनों को आवागमन में सुविधा और आत्मनिर्भरता की दिशा में सहयोग दिया गया। कार्यक्रम में कांकेर विधायक आशाराम नेताम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि नगर पालिका परिषद कांकेर के अध्यक्ष अरुण कौशिक ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। शिविर में कुल 61 दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण वितरित किए गए। इनमें 34



दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल तथा 27 दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर प्रदान की गई। कार्यक्रम में दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। शिविर का उद्देश्य दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप सहायक उपकरण उपलब्ध करार कर उनके दैनिक जीवन को सुगम बनाना और उन्हें अधिक आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग देना रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक आशाराम नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार दिव्यांगजनों के

कल्याण और उन्हें आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। दिव्यांगजनों को नियमानुसार पेंशन के साथ-साथ उनकी जरूरत के अनुसार सहायक उपकरण भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी कड़ी में कांकेर में आयोजित इस शिविर के माध्यम से दिव्यांगजनों को निःशुल्क ट्राइसाइकिल एवं व्हीलचेयर प्रदान की जा रही है। उन्होंने भगवान महावीर दिव्यांग सहायता समिति, जयपुर की इस पहल की सराहना करते हुए समिति के प्रति आभार व्यक्त

किया। साथ ही उपस्थित दिव्यांगजनों को नगर, दशहरा एवं दीपावली की शुभकामनाएं दीं। नगर पालिका अध्यक्ष अरुण कौशिक ने भी शिविर के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि दिव्यांगजनों को आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराना उनके जीवन को सहज बनाने और उनकी दैनिक गतिविधियों में सहायता प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर कलेक्टर कुन्दन कुमार ने भगवान महावीर दिव्यांग सहायता समिति, जयपुर को इस जनहितकारी आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया कि समिति द्वारा गत दिवस जगदलपुर में निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर आयोजित किया गया था, जिसमें कांकेर जिले के 277 दिव्यांगजन लाभान्वित हुए थे। जो दिव्यांगजन उस शिविर में शामिल नहीं हो पाए थे, उन्हें कांकेर में आयोजित इस शिविर के माध्यम से लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद दिव्यांगजनों तक योजनाओं एवं सहायता का लाभ पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से बिल में बड़ी बचत, सोलर पैनल से अतिरिक्त बिजली ग्रिड में पहुंच रही

कुम्हाररास निवासी आपु हालदार ने सोलर पैनल लगवाकर उदाया योजना का लाभ



सुकमा। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से जिले के नागरिक सौर ऊर्जा को अपनाकर बिजली खर्च में बचत कर रहे हैं। नगर पालिका सुकमा के वार्ड क्रमांक 15 कुम्हाररास निवासी आपु हालदार ने भी इस योजना का लाभ लेते हुए जुलाई 2026 में अपने घर पर 03 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित कराया है। आपु हालदार ने बताया कि सोलर पैनल लगवाने से पहले उनके घर का बिजली बिल प्रतिमाह लगभग 300 से 500 रुपये तक आता था। सोलर पैनल स्थापित होने के बाद पिछले महीने से उनका बिजली बिल शून्य भी दर्ज हो रहा है। उन्होंने बताया कि सोलर पैनल से घर की आवश्यकता से अधिक बिजली बनने पर अतिरिक्त बिजली ग्रिड में जा रही है, जिसके कारण

उनके बिजली खाते में क्रेडिट दर्ज हो रहा है। उन्होंने बताया कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर पैनल स्थापना के लिए उन्हें कुल 01 लाख 08 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई है। इसमें 78 हजार रुपये केंद्र शासन तथा 30 हजार रुपये राज्य शासन की ओर से प्रदान किए गए हैं। योजना से मिली सब्सिडी के कारण सोलर पैनल लगवाना उनके लिए आसान हुआ और अब उन्हें बिजली खर्च में राहत मिल रही है। कुंवर एंड कंपनी

एक्शन एनर्जी के द्वारा यह कनेक्शन लगाया गया। आपु हालदार ने पीएम सूर्य घर योजना का लाभ मिलने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सौर ऊर्जा अपनाने से उनके परिवार को बिजली खर्च में राहत मिली है। उन्होंने कहा कि यह योजना आम परिवारों को स्वच्छ ऊर्जा अपनाने के साथ-साथ बिजली के खर्च में बचत का अवसर भी प्रदान कर रही है।

समय-सीमा में कार्य पूर्ण करें नहीं तो होगी कार्रवाई-प्रमुख अभियंता केके कटारे

समय-सीमा में कार्य पूर्ण करें नहीं तो होगी कार्रवाई-प्रमुख अभियंता केके कटारे

जगदलपुर। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेज-1 के अंतर्गत शेष रह गए अपूर्ण कार्यों को गति देने और निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराने के उद्देश्य से बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण, रायपुर के प्रमुख अभियंता श्री केके कटारे ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य तय समय में पूरे किए जाएं, अन्यथा संबंधितों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। भारत सरकार द्वारा



पीएमजीएसवाई फेज-1 के अपूर्ण कार्यों को पूर्ण करने हेतु मार्च 2027 की अंतिम समय-सीमा निर्धारित की गई है। इसी अनुक्रम में बस्तर संभाग के देतेवाड़ा, सुकमा एवं बीजापुर जिलों में प्रगतिरत कार्यों की सड़कवार गहन समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान प्रमुख अभियंता ने संभाग के कुल 125 अपूर्ण कार्यों जिसमें 83 पूर्व अनुबंधित और 42 नवीन अनुबंधित कार्य शामिल हैं। इन सभी कार्यों के लिए माहवार लक्ष्य

निर्धारित करते हुए मार्च 2027 तक समस्त निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इस बैठक में अधीक्षण अभियंता श्री द्वारिका प्रसाद भुआर्य, कार्यपालन अभियंता श्री रवींद्र ताती, वैभव देवांगन, रूपेन्द्र भुआर्य, अनिल बेठ सहित संबंधित ठेकेदार उपस्थित रहे। प्रमुख अभियंता ने सभी अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों को निर्माण में तेजी लाने के निर्देश जारी किए।

मतदाता पंजीयन अभियान को मिली गति, अंदरूनी गांवों तक पहुंच रहा निर्वाचन अमला बीएलओ घर-घर पहुंचकर छूटे पात्र नागरिकों को जोड़ रहे मतदाता सूची से

सुकमा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, अद्यतन एवं समावेशी बनाने के उद्देश्य से विशेष मतदाता पंजीयन अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। जिला निर्वाचन कार्यालय के मार्गदर्शन में निर्वाचन अमला अंदरूनी एवं दूरस्थ गांवों तक पहुंचकर उन पात्र नागरिकों की पहचान कर रहा है, जिनका नाम किसी कारणवश मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सका है। बृथ लेवल अधिकारी (ब्रह्म) घर-घर जाकर नागरिकों को जागरूक करने के साथ फॉर्म-6 के माध्यम से नए पंजीयन की प्रक्रिया पूरी कराने में जुटे हैं। दुर्योग भौगोलिक परिस्थितियों के बीच भी प्रशासन की सक्रियता और मैदानी अमले की तत्परता का उद्देश्य स्पष्ट है-कोई भी पात्र नागरिक अपने मतदाधिकार से वंचित न रहे। अभियान



के दौरान ब्रह्म, श्रद्धा एवं श्रद्धाहृदय जैसे डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर आवेदन एवं संबंधित जानकारी को निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप दर्ज किया जा रहा है। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची में नाम दर्ज नहीं करा सके नागरिकों के मामलों में पात्रता के आधार पर पुनः

सत्यापन की प्रक्रिया भी अपनाई जा रही है। पात्र पाए जाने वाले नागरिकों को नियमानुसार आवेदन कर मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अभियान को व्यवस्थित और परिणामोन्मुख बनाने के लिए बीएलओ को आवश्यक प्रशिक्षण

दिया गया है, वहीं संबंधित तहसीलदार एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रार अधिकारी मैदानी कार्यों की नियमित निगरानी और प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं। दूसरी ओर, सूक्ष्मश्वक्क कार्यक्रम के तहत जिले के हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में निर्वाचक साक्षरता क्लब (श्रष्ट) के माध्यम से विद्यार्थियों और युवाओं को लोकतंत्र, मतदान के महत्व तथा मतदाता पंजीयन की जानकारी दी जा रही है। 17 वर्ष या उससे अधिक आयु के युवाओं को अग्रिम आवेदन की सुविधा के प्रति जागरूक कर भविष्य के मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने की दिशा में भी पहल की जा रही है। जिला निर्वाचन कार्यालय की पात्र नागरिकों से अपील है कि जिनका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे फॉर्म-6 भरकर पंजीयन के लिए

आवेदन करें। नागरिक अपने क्षेत्र के बीएलओ से संपर्क कर सकते हैं अथवा निर्वाचन आयोग के मतदाता सेवा पोर्टल www.bhadracharya.org पर जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मतदाता पंजीयन एवं निर्वाचन संबंधी सहायता के लिए हेलपलाइन नंबर '1950' पर भी संपर्क किया जा सकता है। जिला प्रशासन का यह अभियान मतदाता सूची में पात्र नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने, निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी एवं समावेशी बनाने और लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। जिला निर्वाचन कार्यालय ने सभी पात्र नागरिकों से अभियान का लाभ उठाकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने तथा लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की अपील की है।

बकरियों की स्वास्थ्य रक्षा के लिए चलाया जा रहा है सघन पीपीआर टीकाकरण अभियान

'नारायणपुर। बकरी को गरीब की गाय कहा जाता है। नारायणपुर जिला के ग्रामीण परिवेश में बकरीपालन सदैव ही पशुपालकों के आर्थिक सामाजिक विकास की घुंरी रहा है। कलेक्टर श्रीमती नम्रता जैन के निर्देशानुसार पशुधन विकास विभाग के द्वारा 21 सितंबर 2026 से 07 नवंबर तक भेड़-बकरियों की एक बहुत ही संक्रामक रोग बकरी प्लेग (पीपीआर) रोग का सघन टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा है। उपसंचालक डॉ आर के पडोटी के नेतृत्व में जिले में 11 टीकाकरण दल का गठन किया गया है। ये दल अपने संस्था क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में घ्रमण करते हुए 3 महीने से ज्यादा उम्र के भेड़ बकरियों में टीकाकरण कार्य को



संपादित कर रहे हैं। टीकाकरण अभियान के दौरान 102 गांवों में 31788 टीकाकरण किया जा चुका है। बकरी प्लेग रोग भेड़ बकरियों की बहुत ही संक्रामक एवं जानलेवा

विषाणु जनित रोग है। इस बिमारी से ग्रसित होने पर इन पशुओं तेज बुखार, मुंह में छल्ले, नाक आंख से पानी निकलना, सांस लेने में परेशानी, दस्त और कमजोरी जैसे

लक्षण दिखते हैं। सही उपचार के अभाव में पशुओं की मृत्यु भी हो जाती है। टीकाकरण के माध्यम से इस बिमारी से भेड़ बकरियों को बचाया जा सकता है। बकरी का मांस प्रोटीन एवं वसा का एक बहुत ही अच्छा स्रोत होता है। इसके साथ ही बकरियों से मिलने वाला गोबर एक संपूर्ण खाद के रूप उपयोग किया जाता है। भेड़ बकरियों के आर्थिक-सामाजिक महत्व को देखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार के निर्देश में यह सघन टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा है एवं पशुधन विकास विभाग सभी पशुपालकों से यह अनुरोध करता है, वे अपने भेड़ बकरियों में टीकाकरण करवाकर इस सघन टीकाकरण अभियान के सहभागी बनें।

अबूझमाड़ के तीन छात्रों का जेपी इंटरनेशनल स्कूल कांकेर में चयन, 12वीं तक निःशुल्क करेंगे पढ़ाई

'मुख्यमंत्री उत्कृष्ट उड़ान योजना के तहत मिला अवसर, बालक आश्रम तोके के छात्रों ने बढ़ाया जिले का मान'

नारायणपुर। अबूझमाड़ के सुदूर वनांचल क्षेत्र के विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत और लगन से सफलता हासिल कर जिले को गौरवान्वित किया है। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री उत्कृष्ट उड़ान योजना (पूर्व नाम पंडित जवाहरलाल नेहरू उत्कर्ष योजना) के अंतर्गत शिक्षा सत्र 2026-27 के लिए बालक आश्रम तोके, विकासखंड



ओरछा के तीन विद्यार्थियों का चयन जेपी इंटरनेशनल स्कूल, कांकेर में हुआ है। चर्चित विद्यार्थियों में आलोक कुम्रेटी (ग्राम छोट्टेदोखेड़ा), विराट सलाम (ग्राम कानागांव) और गोदू राम ध्वज (ग्राम तोके) शामिल हैं। तीनों विद्यार्थी वर्तमान में कक्षा पांचवीं में अध्ययनरत हैं तथा अबूझमाड़िया

विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह समुदाय से आते हैं। चयन परीक्षा में जिलेभर के पांचवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने भाग लिया था। जिले से कुल चार विद्यार्थियों का चयन हुआ है, जिनमें तीन विद्यार्थी बालक आश्रम तोके के हैं। इस योजना के माध्यम से चर्चित विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थानों में

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा इन विद्यार्थियों की पढ़ाई का संपूर्ण खर्च वहन किया जाएगा तथा वे कक्षा 12वीं तक निःशुल्क अध्ययन कर सकेंगे। योजना के अंतर्गत पूरे छत्तीसगढ़ से कुल 64 विद्यार्थियों का चयन उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थानों में किया गया है। बालक आश्रम तोके का गौरव बढ़ा रहे विद्यार्थी तीनों विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से बालक आश्रम तोके सहित क्षेत्र में खुशी का माहौल है। आश्रम अधीक्षक श्री बुधराम कुम्रेटी ने बताया कि संस्था द्वारा विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और उच्चलभ भविष्य के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया जाता है।

धान की तुलना में कम जोखिम, कारखाने तक सीधी पहुंच से सुरक्षित हुआ मुनाफ़ा

‘गन्ना के समर्थन मूल्य में वृद्धि से मनोहर लाल सिन्हा के जीवन में आई मिठास

बालोद। शासन द्वारा कृषि और कृषकों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे ऐतिहासिक निर्णयों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। गन्ने के समर्थन मूल्य में की गई वृद्धि ने जिले के गन्ना उत्पादक किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर उनके चेहरों पर विश्वास की चमक ला दी है। जिले के ग्राम सोहतरा के कृषक श्री मनोहर लाल सिन्हा की सफलता की दस्तान बताती है कि शासन की संवेदनशील नीतियों ने किस प्रकार अन्नदाताओं की मेहनत का वाजिब सम्मान लौटाया है। शर्करा कारखाने की स्थापना से ही लगातार कर रहे हैं गन्ने की खेती, दूसरे किसानों को कर रहे प्रेरित ग्राम सोहतरा के श्री मनोहर लाल



सिन्हा ने बताया कि जब से क्षेत्र में शर्करा कारखाना स्थापित हुआ है, तब से वे लगातार गन्ने की खेती करते आ रहे हैं। उन्होंने कभी गन्ने की खेती से नाता नहीं तोड़ा और उनका हमेशा से यह दृढ़ संकल्प रहा है कि वे गन्ने की फसल ही लेंगे। वे अपने साथी कृषकों को भी सदैव प्रेरित करते हैं कि 'गन्ना खेती में सचमुच दम है'।

धान की तुलना में कम मेहनत और सुरक्षित फसल गन्ने की खेती के फायदे गिनाते हुए श्री सिन्हा ने बताया कि एक बार बुआई करने के बाद इसमें 03 से 04 महीने ही मुख्य रूप से मेहनत करनी पड़ती है, इसके बाद अगले 06 महीने तक फसल को बहुत अधिक देखरेख की आवश्यकता नहीं होती। कटाई के समय सीधे खेत से गन्ना कारखाने

पहुंच जाता है और किसानों के खाते में समय पर भुगतान आ जाता है। उन्होंने धान की खेती से तुलना करते हुए बताया कि धान में माहू, कटवा, उकसा जैसी तमाम बीमारियों और कीटों का लगातार खतरा बना रहता है, जहां एक चूक से पूरी फसल बर्बाद हो सकती है। वहीं दूसरी ओर गन्ने की फसल प्राकृतिक रूप से अधिक मजबूत होती है और विपरीत परिस्थितियों को भी आसानी से सहन कर लेती है, जिससे नुकसान का जोखिम न के बराबर रहता है। बढ़े हुए मूल्य से घाटे की आशंका खत्म श्री मनोहर लाल सिन्हा ने बताया कि संवेदनशील राज्य सरकार द्वारा गन्ने के मूल्य में की गई संतोषजनक वृद्धि से किसानों को बहुत बड़ी

राहत मिली है। उन्होंने कहा कि जो खेती पहले घाटे की ओर जाती दिख रही थी, अब दर बढ़ने से किसानों की जेब में सीधा मुनाफ़ा आ रहा है। आने वाले दीपावली त्यौहार को वे अपने परिवार और बच्चों के साथ बेहद उल्लास और प्रसन्नतापूर्वक मनाएंगे। कृषक श्री मनोहर लाल सिन्हा ने किसानों की पीड़ा और कठिन समय को समझते हुए गन्ना मूल्य वृद्धि का त्वरित निर्णय लेने पर प्रदेश सरकार का स्वागत किया। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करते हुए हार्दिक आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने किसानों की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी कर अन्नदाताओं का भरोसा और आत्मसम्मान बढ़ाया है।

स्वामित्व योजना: धमतरी ने रचा इतिहास, 50 हजार से अधिक परिवारों को मिला अपनी ज़मीन का 'स्वामित्व अधिकार'



धमतरी। धमतरी जिले ने केंद्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी स्वामित्व योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में पूरे छत्तीसगढ़ में नया कीर्तिमान रचते हुए प्रथम स्थान हासिल किया है। इस योजना के तहत ग्रामीण आबादी भूमि पर वर्षों से निवासरत 50 हजार से अधिक परिवारों को उनकी संपत्ति का वैधानिक दस्तावेज यानी अधिकार अभिलेख सौंपकर उन्हें मालिकाना हक प्रदान किया गया है। हाल ही में सेवा संकल्प अभियान और अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री ठाकराम वर्मा ने 40

हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से स्वामित्व प्रमाण पत्र प्रदान किए। योजना के धरातल पर उतारने के लिए जिले के 501 ग्रामीण राजस्व ग्रामों में सर्वे ऑफ़ इंडिया के माध्यम से अत्याधुनिक ड्रोन सर्वेक्षण कराया गया है। इसके जरिए आबादी क्षेत्र के भीतर स्थित मकानों, भूखंडों और शोसकीय परिसंपत्तियों की सीमाओं का चूने से सीमांकन कर भौतिक सत्यापन किया गया। राजस्व अमले द्वारा मैदानी स्तर पर मिलान कर प्रारंभिक अभिलेख तैयार किए गए, जिसके बाद ई-कोर्ट प्रणाली के जरिए पारदर्शिता के साथ दावा-आपत्तियों का निराकरण किया गया। अंततः ग्राम

पंचायतों के प्रस्ताव और डिजिटल पोर्टल पर अपलोड करने की प्रक्रिया के पश्चात यह अधिकार पत्र हितग्राहियों तक पहुंचाए जा रहे हैं। जिले में अब तक सभी 501 ग्रामों में प्रथम प्रकाशन का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि 390 से अधिक गांवों में अंतिम प्रकाशन की प्रक्रिया भी संपन्न हो चुकी है। निर्धारित 78,416 के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 63,826 अधिकार अभिलेख तैयार किए जा चुके हैं, जिनमें से 47 हजार से अधिक का वितरण हो चुका है। शेष ग्रामों में इस प्रक्रिया को नवंबर 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।

संक्षिप्त समाचार

समाज नागरिक संहिता पर संभाग स्तरीय परामर्श बैठक 28 को

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने और इसका प्रारूप तैयार करने के संबंध में 28 अक्टूबर को दोपहर 12.30 बजे से देवकी नंदन दीक्षित सभागृह लाल बहादुर शास्त्री स्कूल बिलासपुर में संभाग स्तरीय समूह चर्चा एवं परामर्श बैठक आयोजित की गई है। राज्य शासन द्वारा गठित समान नागरिक संहिता उच्च स्तरीय समिति के सदस्यों की उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में विभिन्न संगठनों और समाज के प्रतिनिधियों से विचार एवं सुझाव लिए जाएंगे। बैठक में बिलासपुर, मुंगेली, गीरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, जांजगीर-चांपा, कोरबा, रायगढ़, सकी और सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिलों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इनमें राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और धार्मिक संगठनों के प्रमुखों के साथ शिक्षाविदों, प्रतिष्ठित नागरिकों, विशिष्ट नागरिकों, गणमान्य नागरिकों तथा निगम, मंडल एवं आयोगों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है।छत्तेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन ने 25 जून 2026 की अधिसूचना द्वारा सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में समान नागरिक संहिता उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। समिति में सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी श्री शत्रुघ्न सिंह एवं श्री एम.के. राउत, वरिष्ठ अधिकारका श्री मोहन पवार तथा सेवानिवृत्त प्राचार्य श्रीमती ज्योति रानी सिंह सदस्य हैं। समिति छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता लागू करने के संबंध में वर्तमान विधिक स्थिति का अध्ययन करेगी। विवाह, तलाक, भरण-पोषण, उत्तराधिकार और दत्तक ग्रहण से संबंधित विषयों पर सुझाव देना भी समिति के दायित्वों में शामिल है। इसके लिए नागरिकों, सामाजिक संगठनों, विधि विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों से विचार एवं सुझाव आमंत्रित किए जाएंगे। समिति अन्य राज्यों में प्रचलित समान नागरिक संहिता संबंधी व्यवस्थाओं का भी अध्ययन करेगी। प्राप्त सुझावों और अध्ययन के आधार पर समान नागरिक संहिता का प्रारूप तैयार कर राज्य शासन को प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही आवश्यक विधायी एवं प्रशासनिक अनुशंसाएं भी दी जाएंगी।

अटल आवास में लगी भीषण आग मची अप्फ़ा-तफ़्फ़री, 75 से अधिक लोगों का किया रेस्क्यू

बिलासपुर। न्यायधानी बिलासपुर के सरकंडा थाना क्षेत्र में मुक्तिधाम के पास स्थित अटल आवास में रविवार देर रात आग लगने से हड़कंप मच गया। ग्राउंड फ्लोर पर लगी आग और उठते धुएँ के कारण आवास में रहने वाले लोगों के बीच दहशत फैल गई। घटना के समय बड़ी संख्या में महिलाएँ, बच्चे और बुजुर्ग अपने घरों में मौजूद थे। जान बचाने की कोशिश में कुछ लोगों ने पहली और दूसरी मंजिल से छलांग लगा दी। इस दौरान एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना है। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी की मौत नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, अटल आवास के ग्राउंड फ्लोर पर अचानक आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग की लपटें और धुआँ फैलने लगा। इससे कई परिवारों के लिए बाहर निकलना मुश्किल हो गया और कुछ लोग आवास के भीतर ही फंस गए। घनराइट के बीच कुछ महिलाओं और बच्चों ने ऊपरी मंजिलों से नीचे छलांग लगाकर जान बचाने की कोशिश की। स्थिति को देखते हुए आसपास के रहवासियों ने तत्परता दिखाई और रस्सियों व कपड़ों की मदद से छत तथा ऊपरी मंजिलों पर फंसे लोगों को सुरक्षित नीचे उतारा। आग की चपेट में आने से आवास के बाहर खड़ी करीब छह मोटरसाइकिलें जलकर नष्ट हो गईं। घटना के बाद इलाके में अप्फ़ा-तफ़री का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। आवास में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के फंसे होने की जानकारी मिलते ही बचाव कार्य तेज किया गया। इस दौरान 75 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घटना की सूचना मिलते ही सरकंडा पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक़त के बाद आग पर काबू पाया। स्थानीय लोगों के सहयोग से फंसे हुए लोगों को बाहर निकालने का अभियान चलाया गया। समय रहते राहत और बचाव कार्य होने से बड़ी ज़हनानि टल गई। आग लगने के वास्तविक कारणों का फ़िलहाल पता नहीं चल पाया है। शुरुआती तौर पर शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आग से हुए कुल नुकसान का आकलन भी जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

रिहायशी इलाके तक पहुंचा भालू, शिव मंदिर के सीसीटीवी में कैद हुई गतिविधि, ग्रामीणों में दहशत

बालोद। जिले के भालूकोन्हा गांव में भालू की लगातार मौजूदगी से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। शनिवार देर रात गांव के तालाब पार स्थित शिव मंदिर परिसर में भालू दिखाई दिया। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में उसकी गतिविधियां कैद हो गईं। रविवार को भालू को जंगल की ओर जाते हुए भी देखा गया। रिहायशी इलाके के करीब भालू की आवाजाही से ग्रामीणों में भय का माहौल है। जानकारी के अनुसार, भालू पिछले करीब एक महीने से भालूकोन्हा गांव और आसपास के क्षेत्र में घूम रहा है। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को देकर भालू को पकड़ने की मांग की थी। इसके बावजूद गांव के शिव मंदिर परिसर में उसकी मौजूदगी सामने आने से लोगों की चिंता फिर बढ़ गई है।

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद जवानों को दी गई श्रद्धांजलि,शहीद परिवारों का किया गया सम्मान

बिलासपुर। 2री वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल सकरी में आज पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर देश की रक्षा और आंतरिक सुरक्षा में अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले पुलिस एवं अर्द्धसैनिक बलों के जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में पुलिस बैंड की धुन के साथ भव्य परेड आयोजित कर शहीदों को सलामी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज श्री राम गोपाल गर्ग ने 1 सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 तक की अवधि में देशभर में शहीद हुए पुलिस एवं अर्द्धसैनिक बलों के जवानों की नामावली सूची का वाचन किया। इसके पश्चात शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान उपस्थित शहीदों के परिजनों को सम्मानित



सांसद कमलेश जांगड़े और विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने दिखाई हरी झंडी

रामलला के दर्शन को निकले 850 श्रद्धालु,चेहरों पर खुशी और आंखों में आस्था

बिलासपुर। श्री रामलला दर्शन योजना के तहत आज बिलासपुर रेलवे स्टेशन से आस्था स्पेशल ट्रेन बिलासपुर संभाग के 850 श्रद्धालुओं को लेकर अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। जांजगीर-चांपा लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े एवं बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। गाजे-बाजे, पारंपरिक नृत्य और पुष्प वर्षा के बीच श्रद्धालुओं को आत्मीय विदाई दी गई। जय श्रीराम के जयघोष से पूरा रेलवे स्टेशन गुंज उठा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, जिला पंचायत सभापति श्रीमती भारती नौरज माली, जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल सहित रेलवे के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। इस अवसर पर सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े ने कहा कि रामलला दर्शन योजना के माध्यम से प्रदेश के श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम की तीर्थयात्रा का अवसर मिल रहा है। भगवान श्रीराम के दर्शन की अभिलाषा हर श्रद्धालु के मन में होती है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल से इस योजना से श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम के दर्शन का अवसर मिल रहा है। श्रद्धालुओं के चेहरे पर दिखाई दे रही यह खुशी इस योजना की साथकता को दर्शाती है। विधायक श्री



धरमलाल कौशिक ने कहा कि श्री रामलला दर्शन योजना श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास का सम्मान है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल से प्रदेश के हर वर्ग के लोगों को प्रभु श्रीराम के दर्शन का सौभाग्य मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार श्रवण कुमार ने अपने माता-पिता को तीर्थयात्रा

कराई थी, उसी भावना के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय श्रद्धालुओं को श्री रामलला के दर्शन करा रहे हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से मुलाकात कर उनके सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। श्रद्धालुओं की रवानगी के दौरान रेलवे स्टेशन पर उत्साह और उल्लास का वातावरण रहा।

तिलक लगाकर, फूल-मालाओं और पुष्प वर्षा के साथ श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं के चेहरों पर प्रभु श्रीराम के दर्शन की खुशी साफझलक रही थी। यात्रा के दौरान श्रद्धालु अयोध्या धाम में श्री रामलला के साथ काशी विश्वनाथ के भी दर्शन करेंगे।अयोध्या रवाना हो रहे श्रद्धालुओं में कोरबा जिले के ओम प्रकाश बारी, मुंगेली जिले के पथरिया के रामखिलावन, लोरमी की पूर्णिमा, अनिल कुमार जायसवाल, बिलासपुर के संजू वैष्णव सहित अन्य ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि श्री रामलला के दर्शन करना उनके जीवन का बड़ा सपना था, जो शासन की इस योजना से साकार हो रहा है। आर्थिक परिस्थितियों के कारण तीर्थयात्रा कर पाना कठिन था, लेकिन अब उन्हें सम्मानपूर्वक तीर्थयात्रा का अवसर मिल रहा है। महिला श्रद्धालुओं ने इसे अपने जीवन का अविस्मरणीय क्षण बताते हुए खुशी जाहिर की। उल्लेखनीय है कि श्री रामलला दर्शन योजना के तहत श्रद्धालुओं के आने-जाने, उठरने, मंदिर दर्शन, नाश्ता एवं भोजन की संपूर्ण व्यवस्था शासन द्वारा की गई है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए यात्रा सहयोगी, सुरक्षाकर्मी एवं चिकित्सकों का दल भी साथ रहेगा।

मिट्टी की सेहत सँवारने गांव-गांव पहुंचेगा खेत बचाओ अभियान...

■ 22 अक्टूबर से 30 नवंबर तक जिले के 100 ग्राम पंचायत भवनों में होंगे कार्यक्रम

■ संतुलित उर्वरक उपयोग, जल संरक्षण और प्राकृतिक खेती के लिए किसानों को किया जाएगा जागरूक

बिलासपुर। खेत की मिट्टी स्वस्थ रहे, पानी की हर बूंद सहेजी जाए और फसल कटने के बाद भी जमीन का बेहतर उपयोग होकुईन्हें उद्देश्यों के साथ जिले में 22 अक्टूबर से 'खेत बचाओ

अभियान' शुरू होगा। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित यह अभियान 30 नवंबर तक चलेगा। अभियान के तहत किसानों को मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों के संतुलित उपयोग, फसल विविधीकरण और प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए जागरूक किया जाएगा। जिले के चारों विकासखंड बिल्हा, मस्तूरी, तखतपुर और कोटा में अभियान के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक विकासखंड के 25 ग्राम पंचायत भवनों में आयोजन होगा। इस प्रकार जिले में कुल 100 ग्राम पंचायत भवनों में किसानों तक खेती की उपयोगी जानकारी पहुंचाई जाएगी। प्रत्येक कार्यक्रम में लगभग 50 प्रगतिशील किसानों की भागीदारी का लक्ष्य रखा गया है। उप संचालक कृषि ने वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों को अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और

किसानों की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, प्रगतिशील किसानों, महिला कृषक स्व-सहायता समूहों, कृषि उत्पादक संगठनों, कृषि सखियों और सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों को भी जोड़ा जाएगा। अभियान का प्रमुख संदेश होगा-मिट्टी की जरूरत समझें और उसी के अनुरूप खाद का उपयोग करें। किसानों को मृदा परीक्षण का महत्व बताते हुए उर्वरकों एवं अन्य कृषि आदानों के संतुलित और विवेकपूर्ण उपयोग की जानकारी दी जाएगी। जल संरक्षण एवं संचयन के साथ भूमि की उर्वरता बनाए रखने वाली टिकाऊ कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। धान की कटाई के बाद खाली रहने वाले खेतों के समुचित उपयोग पर भी विशेष जोर रहेगा।

राष्ट्रपति पूर्वाभ्यास शिविर में बिलासपुर जिले के चार गाइड एवं दो रोवर हुए शामिल.....

बिलासपुर। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में राष्ट्रपति पूर्वाभ्यास शिविर का आयोजन 15 से 17 अक्टूबर 2026 तक राज्य प्रशिक्षण केंद्र, अभनपुर (झांकी) में किया गया। शिविर में बिलासपुर जिले के चार गाइड एवं दो रोवर ने सहभागिता कर जिले का प्रतिनिधित्व किया। राज्य मुख्य आयुक्त श्री इंद्रजीत सिंह खालसा एवं राज्य सचिव श्री अमित क्षत्रिय के निर्देशानुसार आयोजित इस शिविर का संचालन श्री अमित क्षत्रिय ने किया। शिविर में मुख्य परीक्षक के रूप में एएलटी रोवर श्री सूरज कसार ने दायित्व निभाया। वहीं सहायक के रूप में एएलटी स्काउट श्री नागेश्वर साहू, एएलटी रोवर श्री दिलीप पटेल, एचडब्ल्यूबी गाइड श्रीमती रत्ना करयप,



एचडब्ल्यूबी रोवर श्री शशांक विश्वकर्मा एवं एचडब्ल्यूबी गाइड सुश्री कौशल्या साहू ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिविर में बिलासपुर जिले से गाइड के रूप में दिव्या पटेल, हिमांशी श्रीवास, सत्या एवं किरण तथा रोवर के रूप में नितेश चंद्राकर एवं चंद्रशेखर पंकज शामिल हुए। राष्ट्रपति पुरस्कार की तैयारी पर दिया गया विशेष प्रशिक्षण - शिविर के दौरान

प्रतिभागियों को राष्ट्रपति पुरस्कार की तैयारी से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं, आवश्यक मानकों एवं गतिविधियों का पूर्वाभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों की दक्षता बढ़ाने के साथ-साथ उनमें अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना एवं संगठनात्मक कौशल विकसित करने पर जोर दिया गया। इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर स्काउट-गाइड

एवं रोवर को राष्ट्रपति पुरस्कार की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बिलासपुर जिले के प्रतिभागियों की इस सहभागिता से जिले में स्काउटिंग एवं गाइडिंग गतिविधियों को प्रोत्साहन मिला है। साथ ही, युवाओं में सेवा, समर्पण, अनुशासन एवं नेतृत्व के मूल्यों को मजबूत करने की दिशा में यह शिविर महत्वपूर्ण साबित हुआ।

प्रतिभागियों को राष्ट्रपति पुरस्कार की तैयारी से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं, आवश्यक मानकों एवं गतिविधियों का पूर्वाभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों की दक्षता बढ़ाने के साथ-साथ उनमें अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना एवं संगठनात्मक कौशल विकसित करने पर जोर दिया गया। इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर स्काउट-गाइड

कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में संभागीय बैठक 23 को

बिलासपुर। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी की अध्यक्षता में खरीफ वर्ष 2026 को समीक्षा तथा रबी वर्ष 2026-27 के कार्यक्रम निर्धारण के लिए संभागीय बैठक 23 अक्टूबर को सवेरे 11 बजे से जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में होगी। बैठक में संभागायुक्त बिलासपुर, पंचालक कृषि, उद्यानिकी एवं प्रशेत्र वानिकी, पशुपालन, मछली पालन, प्रबंध संचालक बीज निगम, मार्केटेंड, बीज प्रमाणीकरण संस्था, अपेक्स बैंक, अनुसंधान सेवाएं, विस्तार सेवाएं, इंग्रॉ.कृ.वि.वि. रायपुर छग., क्षेत्रीय प्रबंधक, नाबाई सहित अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहेंगे।

संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने और धान खरीदी की सभी व्यवस्थाएं 5 नवंबर से पहले सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री वीरेंद्र बहादुर पंचभाई सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि जिला स्तरीय एक दिवसीय राज्योत्सव 2 नवंबर को पुलिस परेड मैदान में आयोजित होगा। इस वर्ष आयोजन की थीम 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' होगी। राज्योत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ विभिन्न विभागों द्वारा विकास प्रदर्शनी के स्टॉल लगाए जाएंगे। शासकीय कार्यालयों में 1 से 3 नवंबर तक तीन दिनों तक रोशनी की जाएगी। श्री अग्रवाल ने कंप्यूटर ऑपरेटर की व्यवस्था, खरीदी स्थलों की साफ-सफाई, तराजू-बॉट सहित निर्धारित 35 बिंदुओं की चेकलिस्ट के अनुसार तैयारियों की रिपोर्ट लेने के निर्देश दिए।

संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने और धान खरीदी की सभी व्यवस्थाएं 5 नवंबर से पहले सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री वीरेंद्र बहादुर पंचभाई सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि जिला स्तरीय एक दिवसीय राज्योत्सव 2 नवंबर को पुलिस परेड मैदान में आयोजित होगा। इस वर्ष आयोजन की थीम 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' होगी। राज्योत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ विभिन्न विभागों द्वारा विकास प्रदर्शनी के स्टॉल लगाए जाएंगे। शासकीय कार्यालयों में 1 से 3 नवंबर तक तीन दिनों तक रोशनी की जाएगी। श्री अग्रवाल ने कंप्यूटर ऑपरेटर की व्यवस्था, खरीदी स्थलों की साफ-सफाई, तराजू-बॉट सहित निर्धारित 35 बिंदुओं की चेकलिस्ट के अनुसार तैयारियों की रिपोर्ट लेने के निर्देश दिए।

सशक्त नारी, युवा उड़ान की थीम पर 2नवंबर को मनेगा जिला स्तरीय राज्योत्सव

■ सीएम हेल्पलाइन के आवेदकों से स्वयं चर्चा करें अधिकारी, निराकरण की जानकारी भी दें

■ धान खरीदी की सभी तैयारियां 5 नवंबर से पहले पूरी करने के निर्देश

बिलासपुर। कलेक्टर के निर्देश पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप अग्रवाल ने साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर शासकीय योजनाओं और लॉबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने जिला स्तरीय राज्योत्सव की तैयारियां समय पर पूर्ण करने, सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने और धान खरीदी की सभी व्यवस्थाएं 5 नवंबर से पहले सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री वीरेंद्र बहादुर पंचभाई सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि जिला स्तरीय एक दिवसीय राज्योत्सव 2 नवंबर को पुलिस परेड मैदान में आयोजित होगा। इस वर्ष आयोजन की थीम 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' होगी। राज्योत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ विभिन्न विभागों द्वारा विकास प्रदर्शनी के स्टॉल लगाए जाएंगे। शासकीय कार्यालयों में 1 से 3 नवंबर तक तीन दिनों तक रोशनी की जाएगी। श्री अग्रवाल ने संबंधित विभागों को आयोजन की तैयारियां समन्वय के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। सीएम हेल्पलाइन की विभागवार समीक्षा करते हुए श्री

अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं इसकी गंभीरता से समीक्षा कर रहे हैं। अधिकारी आवेदकों से स्वयं चर्चा करें, उनकी समस्या समझें और निराकरण के बाद उन्हें इसकी जानकारी भी दें। इससे आवेदकों की संतुष्टि का स्तर बढ़ेगा। उन्होंने स्पेशल क्लोजर वाले प्रकरणों की विशेष समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि इनका अनुपात 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा में बताया गया कि जिले में 14 नई समितियों सहित कुल 130 समितियों के माध्यम से धान खरीदी की जाएगी। नई समितियों के लिए स्थल चयन कर लिया गया है। श्री अग्रवाल ने कंप्यूटर ऑपरेटर की व्यवस्था, खरीदी स्थलों की साफ-सफाई, तराजू-बॉट सहित निर्धारित 35 बिंदुओं की चेकलिस्ट के अनुसार तैयारियों की रिपोर्ट लेने के निर्देश दिए।

समीक्षा करते हुए श्री अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं इसकी गंभीरता से समीक्षा कर रहे हैं। अधिकारी आवेदकों से स्वयं चर्चा करें, उनकी समस्या समझें और निराकरण के बाद उन्हें इसकी जानकारी भी दें। इससे आवेदकों की संतुष्टि का स्तर बढ़ेगा। उन्होंने स्पेशल क्लोजर वाले प्रकरणों की विशेष समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि इनका अनुपात 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा में बताया गया कि जिले में 14 नई समितियों सहित कुल 130 समितियों के माध्यम से धान खरीदी की जाएगी। नई समितियों के लिए स्थल चयन कर लिया गया है। श्री अग्रवाल ने कंप्यूटर ऑपरेटर की व्यवस्था, खरीदी स्थलों की साफ-सफाई, तराजू-बॉट सहित निर्धारित 35 बिंदुओं की चेकलिस्ट के अनुसार तैयारियों की रिपोर्ट लेने के निर्देश दिए। खाद्य अधिकारी ने बताया कि नए बारदाने प्राप्त हो चुके हैं तथा मिलर बारदानों का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। श्री अग्रवाल ने कहा कि धान खरीदी शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी तैयारियां 5 नवंबर से पहले पूरी कर ली जाएं। बैठक में पीएम जनमन, ई-ऑफिस, उच्च न्यायालय में जवाब-दावा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रकरणों तथा मुख्यमंत्री की घोषणाओं के क्रियान्वयन की भी समीक्षा की गई। श्री अग्रवाल ने ई-अर्टेंडेंस का पालन सुनिश्चित करने और एसडीएम को अपने अनुविभाग में इन विषयों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने ई-कर्मयोगी के अंतर्गत विभाग के लिए निर्धारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूर्ण करने कहा। बैठक में बताया गया कि इन प्रशिक्षणों को सीआर, परीजेंट और क्रमोजति के लिए अनिवार्य किया गया है।



रिलीज से पहले ही रामायण फिल्म की दमदार एडवांस बुकिंग

ओपनिंग डे के लिए डेढ़ करोड़ के टिकट बिके

रामायण ने अपने ओपनिंग डे, 5 नवंबर के लिए 1.53 करोड़ रुपये के टिकट बेचे हैं, जिसमें मुंबई शहर के हिसाब से एडवांस बुकिंग के आंकड़ों में सबसे आगे है। सैकूलिक के अनुसार, फिल्म ने बिना ब्लॉक बुकिंग के 63.32 लाख रुपये कमाए हैं। राज्य के हिसाब से आंकड़ों में महाराष्ट्र 57.09 लाख रुपये के साथ सबसे आगे है, उसके बाद गुजरात 17.87 लाख रुपये और दिल्ली 15.10 लाख रुपये के साथ दूसरे नंबर पर है।



टॉप 10 राज्यों में फिल्म की कुल एडवांस बुकिंग ग्रॉस का 95% हिस्सा है। शहरों में, मुंबई 39.46 लाख रुपये के साथ लिस्ट में सबसे ऊपर है, उसके बाद नेशनल कैपिटल

राम गोपाल वर्मा की ‘पुलिस कंपनी’ की रिलीज डेट का ऐलान

मशहूर निर्देशक रामगोपाल वर्मा आगामी फ्राइम थ्रिलर फिल्म ‘पुलिस कंपनी’ लेकर आ रहे हैं। बुधवार को निर्देशक ने बताया कि उन्होंने अपनी अगली फिल्म का नाम ‘पुलिस कंपनी’ क्यों रखा है। साथ ही इसकी रिलीज डेट का ऐलान भी कर दिया। राम गोपाल वर्मा की पुलिस कंपनी फिल्म में हर्षवर्धन राणे नजर आएंगे निर्देशक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पक्स पर नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा, “पुलिस एक संस्था है और कंपनी एक पैसा कमाने वाला संगठन है लेकिन जब इसकी शक्तियां हद से ज्यादा बढ़ जाती हैं, तो एक संस्था कंपनी बन जाती है। इसलिए नाम है ‘पुलिस कंपनी’। इससे कुछ घंटे



पहले ही निर्देशक ने ऐलान किया था कि उनकी फिल्म अगले साल 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। उनके इस ऐलान के बाद से फैंस और फिल्म प्रेमियों में काफी उत्साह है। उन्होंने अपनी इस पोस्ट के जरिए फिल्म की टीम के बारे में बताया था। उन्होंने लिखा था, “टी-सीरीज द्वारा



निर्मित पुलिस कंपनी में हर्षवर्धन राणे मुंबई के मशहूर एनाकाउंटर कॉप दया नाथक के किरदार में हैं और यह फिल्म मुंबई के अंडरवर्ल्ड के सबसे हिंसक दौर की सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। मूषण कुमार की टी-सीरीज द्वारा निर्मित यह फिल्म अपराध की दुनिया के दूसरे पहलू

रणवीर-दीपिका ने अपनी दूसरी बेटी का नाम रखा ‘देवी’



दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह रने अपनी दूसरी बेटी का नाम देवी पादुकोण सिंह रखा है। कपल ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस बात की जानकारी दी है। दशहरा के मौके पर जन्म के 1 महीने बाद रणवीर-दीपिका ने बेटी की पहली झरसक शेयर की। हालांकि, उन्होंने देवी का चहरा छुपा रखा है। इस तस्वीर में दीपिका, रणवीर और दुआ भी नजर आए। सभी ने गोल्डन रंग का आउटफिट पहन रखा था। चारों एक दूसरे के साथ कलर फुल्लिनेट करते दिखें पोस्ट शेयर कर कपल ने कैप्शन में लिखा- प्यार से भरपूर...देवी पदुकोण सिंह। सितंबर में बेटी को जन्म दिया था दीपिका पादुकोण ने 19 सितंबर को बेबी गर्ल को जन्म दिया था। सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कपल ने इस बात की जानकारी दी थी। पोस्ट में उन्होंने एक ब्लैक एंड व्हाइट फुट प्रिंट की फोटो शेयर की। कैप्शन में ईवल आई इमोजी रखा।

‘पहला प्यार दूसरी बार’ का नया गाना ‘जुल्मी’ रिलीज

रोमांटिक गानों ‘प्यार मांगा है तुम्हीं से’, ‘पुराने दिन’ और ‘जाने किस मोड़ पे’ से दर्शकों का दिल जीतने के बाद, ‘पहला प्यार दूसरी बार’ के नेकर्स अब अपने नए गाने ‘जुल्मी’ के साथ म्यूजिक का जोश बढ़ाने के लिए तैयार हैं। कुछ गाने ऐसे होते हैं, जिनकी धुन पर पैर अपने आप थिरकने लगते हैं, वो कुछ गाने ऐसे होते हैं, जो आपको एक पल के लिए भी शांत नहीं बैठने देते। ‘जुल्मी’ एक जोशीला पार्टी ट्रैक है, जिसकी ऊर्जा और धानदार बीट्स आपको डांस फ्लोर पर जाने और थिरकने के लिए मजबूर कर देंगी।

इस गाने में सर्जुन कौर लूथरा मुख्य आकर्षण के रूप में नजर आ रही हैं। अपने आकर्षक अंदाज, शानदार ऊर्जा और सहज डांस मूव्स से वह गाने में चार चांद लगा देती हैं। वहीं, तुषार खिखर भी अपने चुलबुले अंदाज से उनका बखूबी साथ देते हैं। दोनों की मजेदार कैमिस्ट्री और शानदार स्क्रीन प्रेजेंस गाने को और भी जीवंत बना देती हैं। कुनाल वैद, साक्षी वैशा, स्पर्श वालिया और अलीशा चोपड़ा भी इस गाने में शामिल होकर इसकी ऊर्जा और पार्टी के माहौल को और खास बनाते हैं। तनिक बागची के संगीत, हीर की आवाज और कुमार के बोलों से सजा ‘जुल्मी’ अपनी दिलचस्प लय और मस्तीभरे अंदाज के साथ सहज डांस मूव्स, बैकफ्ल फ्लों और उन रातों के लिए बिल्कुल परफेक्ट है, जब संगीत का जादू हर किसी पर छ जाता है। थॉसको मार्टिंस की कोरियोग्राफी से सजे इस ट्रैक में सर्जुन कौर लूथरा बेहद



सहजता और ऊर्जा के साथ अपने डांस मूव्स और हुक स्टेप्स करती नजर आती हैं। गाने के बारे में बात करते हुए संगीतकार तनिक बागची ने कहा, “‘जुल्मी’ के साथ हमारा उद्देश्य एक

ऐसा म्यूजिकल साउंड तैयार करना था, जो मजेदार, नया और थोड़ा अप्रत्याशित हो। मुझे संगीत के अलग-अलग रंगों को तलाशना पसंद है और इस ट्रैक ने कुछ चुलबुला और अलग करने का मौका दिया। कुमार जी के बोल गाने की अनोखी और शरारती भावना को खूबसूरती से बयां करते हैं। लव रंजन के साथ काम करना हमेशा शानदार अनुभव रहा है, क्योंकि वह आपको अपनी रचनात्मकता को तलाशने और कुछ अलग पेश करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। हीर ने अपनी आवाज से गाने में एक अलग रंग जोड़ा है। मैं दर्शकों के ‘पहला प्यार दूसरी बार’ के हिस्से के रूप में इस गाने को अनुभव करने के लिए उत्साहित हूँ। गीतकार कुमार ने आगे कहा, “‘जुल्मी’ जैसे गाने को लिखने के लिए शब्दों और संगीत के मिजाज के बीच सही तालमेल बिठाना जरूरी होता है।

शेर की तरह दहाड़ रही जेलर 2

नेल्सन दिलीपकुमार के निर्देशन में बनी फिल्म ने छठे दिन 46.80 करोड़ रुपये का नोट कलेक्शन किया। इसके तमाम भाषाओं में 15529 शोज चल रहे हैं। जेलर 2 ने ये कमाई तमिल, तेलुगु से लेकर हिंदी समेत कई भाषाओं में की। सबसे ज्यादा कमाई 32.10 करोड़ रुपये छठे दिन तमिल भाषा में हुई। इसके बाद तेलुगु में 8.85 करोड़, हिंदी में 5.25 करोड़ और कन्नड़ में 60 लाख का कलेक्शन किया। इस तरह जेलर 2 ने अब तक भारत में कुल 338.45 का कारोबार कर लिया है जबकि ये 289.5 करोड़ रुपये रहा। जेलर 2 के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो अब तक 542.45 करोड़ रुपये अब तक रजनीकांत की फिल्म कमा चुकी है।



प्रहार फिल्म का कलेक्शन
राजकुमार राव की प्रहार फिल्म को रिलीज हुए भी 5 दिन हो चुके हैं। दशहरे के मौके पर इसने बॉक्स ऑफिस पर 3.30 करोड़ रुपये का कारोबार किया। अब इसका कुल कलेक्शन 17 करोड़ हो चुका है। वहीं वर्ल्डवाइड कारोबार 19.51 करोड़ रुपये है।

नई नवेली का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन
अब आते हैं नई नवेली फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर। पांचवे दिन इसने 4।35 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। देशभर में इसके 4835 शोज चल रहे हैं। इसी के साथ यामी गौतम की फिल्म का कुल कलेक्शन 22।18 करोड़ रुपये हो चुका है। वहीं वर्ल्डवाइड कलेक्शन 24।68 करोड़ हो चुका है।

आज का राशिफल

मेघ राशि - मेघ राशि के जातकों के लिए गुरुवार का दिन बाहरी व्यक्तियों से अधिक सहयोग मिल सकता है। पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ेंगी और धर्म-कर्म के प्रति रुचि रहेगी। विद्याधियों को परीक्षा और प्रतियोगिता में सफलता मिलने के योग है।

वृषभ राशि - वृषभ राशि के जातकों के नौकरपेशा लोगों को पदेन-नति के अवसर मिल सकते हैं। अनुभवी और प्रतिष्ठित लोगों का सहयोग मिलेगा, जिससे कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। आज शाम तक कार्यों को पूरा करने के लिए आराम गोल्ट्स बनाएं। रम जीवन में कुछ समरथ्य आ सकती है।

मिथुन राशि - मिथुन राशि वालों के लिए नौकरी और रोजगार के अच्छे अवसर मिल सकते हैं। भाग्य का साथ मिलने से उन्नति के रास्ते खुलेंगे। विद्याधियों की पढ़ाई में रुचि बढ़ेगी और कारोबार में लाभ मिलने की संभावना है। आज के दिन धैर्य रखें और विलयन रूप से बात करें। छोटे-छोटे कदम निरंतर स्वीड प्रदान करेंगे। दोस्तों का सपोर्ट तनाव कम करेगा।

कर्क राशि - कर्क राशि के जातकों को गृहस्थ जीवन में खुशियां बनी रहेगी, लेकिन संपत्ति से जुड़ी समस्याएं परेशान कर सकती हैं। आधुनिक कर्म करने और बचत घटने से मन उदास हो सकता है। नए आइडिया मने उपयोगी कनेक्शन बन सकते हैं। सही समय पर बोलने की कोशिश करें।

सिंह राशि - सिंह राशि वालों को गुरुवार के दिन सरकारी मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। कारोबार से जुड़ी उलझने भी बढ़ सकती हैं, इसलिए कोई भी महत्वपूर्ण फैसला सोच-समझकर लें। दोस्तों या मार्गदर्शकों का सपोर्ट आपके लिए मददगार साबित होगा। शाम तक आप आनंद का अनुभव करेंगे।

कन्या राशि - कन्या राशि के जातकों को नौकरी और रोजगार के क्षेत्र में मेहनत से सफलता मिलेगी। विद्याधियों को परीक्षा और प्रतियोगिता में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। मनवाहे शिक्षण संस्थान में दाखिला मिलने की संभावना भी है। जब आप फोकस बनाए रखेंगे तो छोटे-छोटे आमिष मिलकर विलयन लाभ देंगे। विलयन रूप से बात करें, जरूरी टास्क को प्राथमिकता दें।

तुला राशि - तुला राशि वालों के लिए गुरुवार के दिन घर में नई वस्तु की खरीदारी हो सकती है। विवाह या अन्य मार्गलिक कार्यक्रमों की योजना बनेगी। परिवार के सदस्यों और मित्रों का भरपूर सहयोग मिलेगा। लंबे समय में हेल्दी रहने के लिए हेल्दी आदतें अपनाएं। जलवाजी में किए गए वादों से बचें। विकास को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करें।

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि के जातकों को रिश्तेदारों और मित्रों से मुलाक़ात होगी। विवाह सहित अन्य शुभ कार्य संपन्न होने की संभावना है। बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद और सहयोग मिलेगा। ज़ब्त आप फोकस बनाए रखेंगे तो छोटे-छोटे प्रयास मिलकर विलयन लाभ देंगे। विलयन रूप से बात करें।

धनु राशि - धनु राशि वालों के लिए गुरुवार का दिन शुभ कार्यों के प्रति रुचि बढ़ेगी। नए लोगों से मुलाक़ात होगी, जो भाग्य में लाभदायक साबित हो सकती है। अतिवाहित जातकों को विवाह का प्रस्ताव मिल सकता है। फाइनेंशियल डिस्जीन में सेफ ऑप्शन फायदेमंद साबित होंगे। ऑफिस में आपका योगदान सम्मान दिला सकता है।

मकर राशि - मकर राशि के जातकों को रोजमर्रा के काम आसानी से पूरे होंगे। जिस काम को पूरा करने के लिए लंबे समय से प्रयास कर रहे हैं, उसमें सफलता मिलने की संभावना है। पुरानी वित्ताओं से भी राहत मिल सकती है।

कुंभ राशि - कुंभ राशि वालों के कल का दिन लंबित कार्यों को निपटाने में सफलता मिल सकती है। परिवारिक विवादों वीरे-वीरे सामान्य होंगी। प्रेम संबंधों में सफलता और पारिवारिक जीवन में सुख मिलने की संभावना है। सामाजिक समारोह में शामिल होने का अवसर भी मिल सकता है। छोटे-छोटे विचारशील कदम प्रगति ला सकते हैं।

मीन राशि - मीन राशि के जातक गुरुवार के दिन आर्थिक लेन-देन सोच-समझकर करें और दूसरों पर आंख मूंदकर भरोसा करने से बचें। विरोधियों की गतिविधियों को लेकर सतर्क रहें। सप्ताह पक्ष से जुड़ी वित्ताएं मन को परेशान कर सकती हैं, इसलिए धैर्य बनाए रखें। आज के दिन अपने कामों को शुरू करने के लिए तैयार रहेंगे।

भगवान विष्णु को समर्पित एकादशी का व्रत

एकादशी का व्रत भगवान विष्णु को समर्पित होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस व्रत को रखने से व्यक्ति को सुख-समृद्धि और शांति की प्राप्ति होती है। हर माह कृष्ण और शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर यह व्रत रखा जाता है। अक्टूबर में 22 अक्टूबर को पापाकुशा एकादशी का व्रत रखा जाएगा। मान्यता

है कि इस दिन व्रत और भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिल सकती है। साथ ही, जीवन के कष्ट दूर होंगे और पुण्य फल की प्राप्ति की गारंटी है। ऐसे में आइए जानते हैं पापाकुशा एकादशी की विधि, पूजा वस्तु, पारण का समय और इस दिन किए जाने वाले शुभ कार्यों के बारे में।

अक्टूबर में कब है पापाकुशा एकादशी?
आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि का आरंभ 21 अक्टूबर को दोपहर 2 बजकर 11 मिनट पर होगा। एकादशी तिथि का समापन 22 अक्टूबर को दोपहर 2 बजकर 47 मिनट पर होगा। उदयातिथि के अनुसार, पापाकुशा एकादशी का व्रत 22 अक्टूबर 2026 को रखा जाएगा।
पापाकुशा एकादशी का शुभ मुहूर्त
पूजा के लिए ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 45 मिनट से सुबह 5 बजकर 35 मिनट तक रहेगा। अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11 बजकर 43 मिनट से दोपहर 12 बजकर 28 मिनट तक रहेगा।



पापाकुशा एकादशी व्रत पारण का समय
एकादशी के व्रत का पारण 23 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा। इसके लिए शुभ समय सुबह 6 बजकर 27 मिनट से सुबह 8 बजकर 42 मिनट तक रहेगा।

पापाकुशा एकादशी के दिन करें ये काम
पापाकुशा एकादशी के दिन पीले रंग की वस्तुओं, जैसे पीले वस्त्र या पीली दाल का दान करना शुभ माना जाता है। इसके अलावा, भगवान विष्णु को पीले फूल अर्पित करें और मिठाई का

दांतों और मसूड़ों की सेहत पर खानपान का असर

आवसर लोग दिन में दो बार ब्रश करने को ही औरल हेल्थ के लिए पर्याप्त मान लेते हैं, लेकिन हमारी खानपान की आदतें और ब्रश करने का तरीका भी दांतों की सेहत को प्रभावित करता है। कुछ खाद्य पदार्थ दांतों का पीलापन बढ़ा सकते हैं, जबकि कुछ चीजें इनेमल को नुकसान पहुंचाकर कैविटी और दांतों की संवेदनशीलता बढ़ा सकती हैं। दंत रोग विशेषज्ञों के मुताबिक, दांतों की बाहरी परत यानी इनेमल के घिसने पर अंदर मौजूद पीले रंग की डेंटिन परत अधिक दिखाई देने लगती है। ऐसे में केवल ब्रश करने के बजाय खानपान और औरल हाइजीन की दूसरी आदतों पर भी ध्यान देना चाहिए। कोलड ड्रिंस और कई फर्नर्जी ड्रिंस में



कोल्ड ड्रिंक और ज्यादा चाय-कॉफी भी नुकसानदायक
ज्यादा मीठा खाना पड़ सकता है भारी कॉलेंट, कैंडी, मिठाइयां और चीनी वाले पेय पदार्थों का बार-बार सेवन दांतों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। मुंह में मौजूद बैक्टीरिया चीनी का इस्तेमाल करके एसिड बनाते हैं, जो इनेमल को कमजोर कर सकता है। इससे दांतों में कैविटी होने का खतरा बढ़ता है। इसलिए मीठी चीजें कम खाएं और खाने के बाद कुल्ला करने की आदत डालें।

चीनी और एसिड होते हैं। इनका बार-बार सेवन दांतों की बाहरी परत को नुकसान पहुंचा सकता है। धीरे-धीरे दांतों में टंडा-नर्म लगने और रंग पीला होने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। चाय और कॉफी में मौजूद टैनिन दांतों पर दम जमाने का खतरा बढ़ा सकते हैं। वहीं डाइट से कैल्शियम और विटामिन-डी की पर्याप्त मात्रा न मिलने से दांतों और हड्डियों की सेहत प्रभावित हो सकती है।

ज्यादा मीठा खाना पड़ सकता है भारी
ज्यादा मीठा खाना पड़ सकता है भारी कॉलेंट, कैंडी, मिठाइयां और चीनी वाले पेय पदार्थों का बार-बार सेवन दांतों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। मुंह में मौजूद बैक्टीरिया चीनी का इस्तेमाल करके एसिड बनाते हैं, जो इनेमल को कमजोर कर सकता है। इससे दांतों में कैविटी होने का खतरा बढ़ता है। इसलिए मीठी चीजें कम खाएं और खाने के बाद कुल्ला करने की आदत डालें।

ताड़सन वॉक
बच्चों की हाइट बढ़ाने के लिए उनकी रूटीन में ताड़सन वॉक को शामिल किया जा सकता है। डॉ आर्या कहती हैं कि इसे 5 से 10 मिनट करना सही रहता है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाए। अब दोनों हाथों को ऊपर की तरफ ले जाए और पैरों की पंजी उठा लें। इस तरह से शरीर में एक खिंचाव आ जाएगा। जब इसी पोजीशन में वॉक करें।
हस्तपादासन
बच्चों की हाइट के लिए हस्तपादासन को भी रूटीन में शामिल किया जा सकता है। इसे करने के लिए

नाखूनों के आसपास की स्किन क्यों निकलती है?

हाथों की देखभाल करते समय हम अक्सर नाखूनों पर तो ध्यान देते हैं, लेकिन उनके आसपास की स्किन को भूल जाते हैं। कई बार नाखून के किनारे की छोटी सी खाल बाहर निकलने लगती है। शुरूआत में यह मामूली लगती है, लेकिन खाल को खींचने या दांतों से काटने पर दर्द होने लगता है। कभी-कभी यहां से छूना भी निकल सकता है। बदलते मौसम में त्वचा का रुखापन, बार-बार हाथ धोना और बर्तन साफ करने में इस्तेमाल होने वाले साबुन या डिजिटल इसकी वजह बन सकते हैं। अच्छी बात यह है कि कुछ छोटी छोटी आदतें अपनाकर नाखूनों के आसपास की स्किन को फटने से बचाया जा सकता है। आइए जानते हैं कि ऐसा क्यों होता है और इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए।

नाखूनों के किनारे की स्किन निकलने की सबसे आम वजह त्वचा का रुखा होना है। इसके अलावा रोजमर्रा के कुछ काम भी इस परेशानी को बढ़ा सकते हैं।
बार-बार हाथ धोना: बार-बार साबुन और पानी के संपर्क में आने से हाथों की त्वचा रूखी हो सकती है। डिजिटल का इस्तेमाल: बर्तन धोने वाले साबुन और सफाई के दूसरे प्रोडक्ट्स से भी त्वचा में रुखापन आ सकता है।
सैनिटाइजर का ज्यादा इस्तेमाल: बार-बार सैनिटाइजर लगाने से कुछ लोगों के हाथों की त्वचा सूख सकती है।



खाल को खींचना: नाखून के पास निकली खाल को खींचने या दांतों से काटने पर त्वचा और फट सकती है। नाखूनों के आसपास की स्किन ठीक रखने के 4 आसान तरीके अगर नाखूनों के किनारे की त्वचा बार-बार निकलती है, तो इन आसाम तरीकों को अपना सकती हैं।
हाथों पर मॉइश्चराइजर लगाएं
हाथ धोने के बाद त्वचा को अच्छी तरह सुखाएं और मॉइश्चराइजर लगाएं। इसे नाखूनों के आसपास भी लगाना न भूलें। रात में सोने से पहले

पेट्रोलियम जेली लगाने से भी रूखी त्वचा को नमी मिल सकती है। इससे त्वचा के फटने की परेशानी कम करने में मदद मिल सकती है।
उंगलियों को गुनगुने पानी में रखें
अगर नाखून के किनारे की खाल बाहर निकल आई है, तो उंगली को थोड़ी देर गुनगुने पानी में रख सकती हैं। इससे आसपास की त्वचा नरम हो जाती है। इसके बाद हाथ को साफ तौलिए से सुखाकर मॉइश्चराइजर लगा लें। ध्यान रखें कि पानी बहुत गर्म न हो और उंगलियों को लंबे समय तक पानी में न भिगाएं।

फिर वापस नॉर्मल स्थिति में आ जाए। इस प्रक्रिया को तीन बार दोहराएं।

परिचमोतानासन

परिचमोतानासन भी बच्चों के रूटीन का हिस्सा बनाया जा सकता है। इसे करने के लिए बच्चों को जमीन पर बैठें और दोनों पैरों को सामने की ओर सीधा रखें। अब धीरे-धीरे आगे की तरफ झुकने के लिए कंधे और हाथों को पैरों की तरफ ले जाने की कोशिश करें। जितना आराम से हो सके, उतना ही आगे झुकें। इस स्थिति में 10 से 15 सेकंड तक रुकें और फिर सामान्य स्थिति में वापस आएं। इसे 3 बार किया जा सकता है।

40 मिनट की निरंतर आतिशबाजी ने किया मंत्रमुग्ध, मार्स द बैंड के सुमधुर गीतों से रसविभोर हुए श्रोता

60 हजार रामभक्तों की उपस्थिति में अहंकारी रावण का दहन, भव्य दशहरा उत्सव का साक्षी बना भिलाई

भिलाई नगर । युवा खेल एवं सांस्कृतिक मंडल, भिलाई द्वारा आयोजित सार्वजनिक दशहरा पर्व 2026 का 31वाँ आयोजन मंगलवार, 20 अक्टूबर को सेक्टर 7 हाई स्कूल दशहरा मैदान में भव्यता एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। लगभग 60 हजार रामभक्तों की उपस्थिति में अहंकारी रावण का दहन हुआ। श्रद्धा, संगीत और आतिशबाजी से सजे इस आयोजन ने दर्शकों को अविस्मरणीय अनुभव प्रदान किया।

असत्य पर सत्य, अधर्म पर धर्म और अहंकार पर मर्यादा की विजय के प्रतीक रावण दहन के साथ मैदान जय श्रीराम के जयघोष से गूँज उठा। विशाल जनसमूह ने उत्साहपूर्वक इस क्षण का साक्षी बनकर विजयादशमी का पर्व मनाया।

40 मिनट की आतिशबाजी ने आकाश में बिखेरी रंगीन छटा- आयोजन का प्रमुख आकर्षण काकीनाडा, आंध्र प्रदेश का आतिशबाजी एवं इलेक्ट्रॉनिक आतिशबाजी का लगातार 40 मिनट तक चला भव्य प्रदर्शन रहा। आकाश में उभरते रंगबिरंगे प्रकाश पुंजों और आतिशी आकृतियों के विहंगम दृश्य ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। निरंतर बदलते रंगों और रोशनी से सजा आकाश उत्सव की भव्यता को और बढ़ाता रहा।

मार्स द बैंड ने सुमधुर गीतों से बाँधा समा-



मार्स द बैंड द्वारा प्रस्तुत एक से बढ़कर एक सुमधुर गीतों ने कार्यक्रम में समां बंध दिया और श्रोताओं को रसविभोर कर दिया। गायन और वाद्ययंत्रों की संगत से सजी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को झुमने पर विवश कर दिया। संगीत, रामभक्ति और उत्सव के उल्लास ने पूरे वातावरण को जीवंत बनाए रखा।

अतिथियों की गरिमामय उपस्थिति- कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री प्रेम प्रकाश पाण्डेय, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, छत्तीसगढ़; श्री ललित चंद्राकर, विधायक, दुर्ग ग्रामीण एवं श्री रिकेश सेन, विधायक, वैशाली

केशवल ने स्वागत उद्घोषण प्रस्तुत किया। आयोजन के अध्यक्ष श्री प्रेमचंद देवांगन ने अध्यक्षीय उद्घोषण दिया। अतिथि उद्घोषणों के क्रम में पहले श्री पुरुषोत्तम देवांगन, श्री रिकेश सेन, इसके पश्चात श्री ललित चंद्राकर और अंत में श्री प्रेम प्रकाश पाण्डेय ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन सार्वजनिक दशहरा पर्व के कोषाध्यक्ष श्री शैलेन्द्र सिंह ने किया।

सामूहिक मेहनत और समर्पण से साकार हुआ भव्य आयोजन- इस गरिमामयी आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में आयोजन समिति के सहयोगियों की महती भूमिका रही। तैयारियों से लेकर कार्यक्रम के समापन तक विभिन्न जिम्मेदारियों को सँभालने वाले सदस्यों को कार्यकुशलता, समन्वय और अथक परिश्रम ने आयोजन को सफल स्वरूप दिया। सामने रहकर व्यवस्थाएँ सँभालने वालों के साथ ही पदों के पीछे निरंतर कार्य करने वाले सहयोगियों का योगदान भी महत्वपूर्ण रहा। आयोजन की सफलता में जी. अमर, राजनारायण सिंह, एम. इम्मानुएल, प्रसाद राव, प्रकाश राव, कृपानंदन राव, अभय प्रसाद, उज्ज्वल तिवारी, जोगेंद्र कुमार, रमेश कुंहरकर, एस. अश्विंद हुसैन, सुदीप धर दीवान, संतोष सिंह, रविन्द्र सिंह, जे.पी. राजू, प्रीतम साहू, नीलेश पाहुजा, डी. मरिया दास, ब्रह्मा नायडू, बी. तुलसी राव, जी.एस. कुमार,

कमलनाथ रवि, अलोक सरावगी, भूपेंद्र, के.सी. केशवल, आर. प्रसंगी, शैलेन्द्र श्रीवास्तव, टी. शंकर, वेंकटेश, मदन राय, राहुल उचाडिया, ब्रजेश उचाडिया, अजय साहू, शिवा कुमार, एस. प्रदीप, लाल बाबू महतो, सौरव गांगुली, आनंद मिश्रा, विशाल साहू, आदित्य गावले, हेमोशु साहू, आर. राजा, सागर नेताम, डी. दीपक, आदित्य मिश्रा, अभय ठाकुर, रमेश पाटिल, एन. हेमंत राव, उदित तांडी एवं बी. पदमनाभन का सराहनीय योगदान रहा।

समिति ने सभी सहयोगियों एवं नागरिकों के प्रति जताया आभार- युवा खेल एवं सांस्कृतिक मंडल, भिलाई ने आयोजन को सफल बनाने के लिए शासन, प्रशासन, पुलिस विभाग, भिलाई इस्पताल संयंत्र तथा भिलाई एवं समस्त क्षेत्र की जनता के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। समिति ने उन सभी संस्थाओं, सेवा प्रदाताओं, कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों के सहयोग की भी सराहना की, जिन्होंने प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से अपनी सेवाएँ और पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

समिति ने कहा कि नागरिकों का विश्वास, सहयोगियों का समर्पण और सामूहिक सहभागिता ही इस आयोजन की सबसे बड़ी शक्ति है। इसी सहयोग से सार्वजनिक दशहरा पर्व का 31वाँ वर्ष भक्ति, भव्यता और उत्साह की सुखद स्मृतियों के साथ संपन्न हुआ।

पारस इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन के बच्चों का कोलम्बिया यूनिवर्सिटी में प्रशिक्षण सम्पन्न

छत्तीसगढ़ के सभी सेंटर के बच्चों ने यूनिवर्सिटी के विभिन्न विभागों में किया विजिट

- भटगांव प्रखर कंप्यूटर एजुकेशन व सिमगा के तक्षशिला कंप्यूटर सेंटर के बच्चों भी हुए शामिल
- यूनिवर्सिटी में बच्चों के एवं टीचर के बीच विभिन्न विषय पर सेमिनार का आयोजन
- कोलम्बिया यूनिवर्सिटी रायपुर के कुलसचिव, रजिस्टार, एम डी, प्राध्यापक एवं स्टॉफ्स विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा



रायपुर। पारस इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन के बच्चों का गत दिवस कोलंबिया यूनिवर्सिटी रायपुर में प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ है। जहाँ छत्तीसगढ़ के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान पारस इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन रायपुर द्वारा अपने विद्यार्थियों के लिए कोलंबिया यूनिवर्सिटी रायपुर में एक विशेष प्रशिक्षण और शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। जहाँ रायपुर सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न संस्थान से लगभग 200 बच्चों ने इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा

लिया। जहाँ पारस इंस्टिट्यूट भाटागांव व अमलेश्वर सेंटर ब्रांच के साथ नगर पंचायत भटगांव के प्रखर कंप्यूटर एजुकेशन और सिमगा के तक्षशिला कंप्यूटर सेंटर के बच्चों की विशेष उपस्थिति रही। प्रशिक्षण के दौरान बच्चों ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी के विभिन्न विभागों का विजिट किया। बच्चों को कंप्यूटर लैब, लाइब्रेरी, तकनीकी विभाग और मैनेजमेंट विभाग के बारे में विस्तार से जानकारी ली और उनके कार्यपन्नाली को नजदीक से समझने का मौका मिला। इसके बाद यूनिवर्सिटी सभागार में बच्चों और

शिक्षकों के बीच विभिन्न विषयों पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में करियर निर्माण, उच्च शिक्षा, नई तकनीकों और भविष्य के अवसरों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान कोलंबिया यूनिवर्सिटी रायपुर के कुलसचिव, रजिस्टार, एमडी, प्राध्यापक और स्टाफ के साथ विभिन्न शैक्षणिक विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। जहाँ पारस इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन रायपुर के डायरेक्टर कविता कुम्भज, अमलेश्वर ब्रांच से राहुल कुम्भज, प्रखर कंप्यूटर एजुकेशन भटगांव के डायरेक्टर के. पी.पटेल, तक्षशिला कंप्यूटर सेंटर सिमगा के डायरेक्टर दीपक साहू। चिट बाइट इंफोटेक कंप्यूटर सेंटर रायपुर के डायरेक्टर रिया गुप्ता उपस्थित रहे।

राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण पर जोर, लापरवाही बरतने वाले पटवारियों पर होगी कार्रवाई

- कलेक्टर अभिजीत सिंह ने ली राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक, लंबित प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश

दुर्ग। जिले में राजस्व प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण और आम नागरिकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कलेक्टर अभिजीत सिंह लगातार राजस्व कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर लंबित प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा की तथा अनुविभागीय अधिकारियों, तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों को प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर सिंह ने नामांतरण, पंथी, बंटवारा,



सीमांकन, धारणाधिकार, भूमि आवंटन और मुआवजा वितरण सहित विभिन्न राजस्व प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने लंबित मामलों के निराकरण में अनावश्यक देरी पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने समय-सीमा से बाहर लंबित पंथी नामांतरण और बंटवारा प्रकरणों की समीक्षा की। इसके साथ ही ऑनलाइन रिकॉर्ड दुरुस्ती, नक्शा संशोधन, बंटोका और डीसीएस से संबंधित कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि समय-सीमा में पूरे किए जाने वाले राजस्व प्रकरण अनावश्यक रूप से लंबित न रहें।

महाअष्टमी पर महापौर अलका बाघमार ने किया कन्या पूजन कन्याओं को भोजन कर लिया आशीर्वाद

दुर्ग। नगर पालिक निगम, दुर्ग। शारदीय नवरात्रि की महाअष्टमी के पावन अवसर पर नगर पालिक निगम, दुर्ग परिसर स्थित मां दुर्गा मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना, हवन, कन्या पूजन, कन्या भोज एवं महाभंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने मां दुर्गा के स्वरूप कन्याओं की आरती उतारकर विधिवत पूजन किया तथा उन्हें स्नेहपूर्वक भोजन परोसकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण कर धार्मिक आयोजन में सहभागिता निभाई। कार्यक्रम की शुरुआत विशेष पूजा-अर्चना एवं हवन के साथ हुई। महापौर सहित जनप्रतिनिधियों एवं निगम के अधिकारी-कर्मचारियों ने हवन में आहुति अर्पित कर शहरवासियों के सुख, शांति, खुशहाली एवं समृद्धि का कामना की। महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने महाअष्टमी की



शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नवरात्रि का पर्व शक्ति, श्रद्धा, भक्ति और सेवा का प्रतीक है। उन्होंने माता रानी से शहरवासियों के जीवन में सुख, शांति, स्वास्थ्य एवं समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य लीना दिनेश देवांगन, नीलेश अग्रवाल, शशि साहू, हर्षिका संभव जैन, रंजीता पाटिल, युवराज कुंजम, मनोज सोनी, जितेंद्र ताम्रकर, दुर्गा गुप्ता, लता यादव, हेमलता वर्मा, साक्षी चौहान, रानी साहू, दामिनी भुवाल सहित निगम के अधिकारी-कर्मचारी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

शारदीय नवरात्रि अष्टमी के पावन अवसर पर सफल नवरात्रि झ्यूटी के उपरांत राजनांदांग पुलिस एवं पुलिस बैंड के द्वारा माँ बमलेश्वरी के दर्शन एवं आरती-अर्चना



राजनांदांग। शारदीय नवरात्रि अष्टमी के अवसर पर, माँ की असीम कृपा से नवरात्रि पर्व के दौरान संपन्न हुई महत्वपूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण झ्यूटी के सफल निर्वहन के उपरांत, राजनांदांग पुलिस द्वारा श्रद्धा एवं भक्ति भाव से माँ बमलेश्वरी मंदिर में आरती एवं अर्चना की गई। इस अवसर पर राजनंदांग पुलिस सार्वजनिक शांति एवं सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। नवरात्रि के दौरान छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को सुचारु एवं सुदृढ़ बनाए रखते हुए श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं व्यवस्थित दर्शन सुनिश्चित कराया गया, जिसकी व्यापक सराहना प्राप्त हुई इसके लिए राजनंदांग पुलिस आभारी है। किसी भी पदयात्री के साथ शून्य दुर्घटना साथ ही डॉगराह मेला व्यवस्था किसी भी प्रकार आपराधिक घटना घटित नहीं हुई तथा सभी कार्यक्रम शांति पूर्वक संपन्न हुए।

उपस्थित होकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। नवरात्रि के दौरान छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को सुचारु एवं सुदृढ़ बनाए रखते हुए श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं व्यवस्थित दर्शन सुनिश्चित कराया गया, जिसकी व्यापक सराहना प्राप्त हुई इसके लिए राजनंदांग पुलिस आभारी है। किसी भी पदयात्री के साथ शून्य दुर्घटना साथ ही डॉगराह मेला व्यवस्था किसी भी प्रकार आपराधिक घटना घटित नहीं हुई तथा सभी कार्यक्रम शांति पूर्वक संपन्न हुए।

यूजीसी नियमों की तापसी समेत 4 मांगों को लेकर 23 अक्टूबर को भिलाई में प्रदर्शन करेगी करणी सेना



भिलाई। राजपूत करणी सेना (काली विचारधारा) ने 23 अक्टूबर को भिलाई के सिविक सेंटर में प्रदर्शन करने की घोषणा की है। संगठन ने UGC Regulations, 2026 की वापसी, EWS आरक्षण में बदलाव, SC/ST एक्ट के क्रियान्वयन में निष्पक्षता और सर्वण/सामान्य वर्ग आयोग के गठन सहित चार प्रमुख मांगें रखी हैं। प्रदर्शन के बाद जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा। संगठन का दावा है कि रायपुर, दुर्ग, बेमेतरा और खैरागढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों से 1500 से 2000 लोग इसमें शामिल होंगे। संयुक्त पत्रकार वार्ता में मानवेंद्र सिंह, अभिषेक सिंह, नील सिंह, अमित सिंह और नविता शशिकांत तिवारी ने आंदोलन की जानकारी दी। पदाधिकारियों ने कहा

कि उनकी मांगें शिक्षा, रोजगार, आरक्षण और कानूनी संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित हैं। संगठन ने GC Regulations, 2026 को पूरी तरह वापस लेने की मांग की है। पदाधिकारियों का कहना है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में जाति या नहीं है आधार पर भेदभाव और उत्पीड़न रोकने के लिए ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए, जिसमें SC, ST, OBC, EWS और सामान्य वर्ग सहित सभी शिक्षण संस्थानों को समान संरक्षण मिले। संगठन ने स्पष्ट किया कि उसका उद्देश्य किसी वर्ग को मिलने वाले संरक्षण का विरोध करना नहीं है। उसकी मांग है कि शिकायतों की जांच और निवारण में निष्पक्षता बर्ती जाए तथा सभी विद्यार्थियों के लिए समान अवसर सुनिश्चित हों।

अधियाखोर से पड़कीडीह तक खोदी गई नाली, सीमेंट संकट का बहाना बनाकर ठेकेदार गायब, दिवाली सीजन में व्यापार ठप, चक्काजाम की चेतावनी

बेमेतरा-नवागढ़ रोड पर विकास के नाम पर आफत : पड़कीडीह में अधूरा नाली निर्माण बना जानलेवा

बेमेतरा। बेमेतरा से नवागढ़ मुख्य मार्ग उलान कार्य ग्रामीणों और व्यापारियों के लिए मुसीबत बन गया है। ग्राम पड़कीडीह में नाली निर्माण के नाम पर सड़क के दोनों ओर 6 से 8 फीट गहरे गड़े खोदकर ठेकेदार पिछले एक सप्ताह से नदारद है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ठेकेदार द्वारा सीमेंट संकट का हवाला देकर काम रोक दिया गया है। जबकि मौके पर खुली नाली, निकले हुए सरिये और मलबे का ढेर मौत का दावत दे रहा है। तस्वीरों में साफदिल रहा है, दुकानों के ठीक सामने जालेवा खाई खोद दी गई है, आने-जाने के लिए केवल दो कमजोर स्लैब रखे गए हैं। पड़कीडीह बाजार अधियाखोर क्षेत्र का प्रमुख व्यापारिक केंद्र है। त्योहारी सीजन में जहां व्यापारियों को अच्छी बिजली की उम्मीद थी, वहीं खुदी पड़ी नाली के



दशहरा-दिवाली में ग्राहक नहीं पहुंच रहे दुकान तक

पड़कीडीह बाजार अधियाखोर क्षेत्र का प्रमुख व्यापारिक केंद्र है। त्योहारी सीजन में जहां व्यापारियों को अच्छी बिजली की उम्मीद थी, वहीं खुदी पड़ी नाली के कारण ग्राहक दुकान तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। बाइक सवार और बुजुर्ग ग्राहक गिर कर चोटिल हो रहे हैं। कई दुकानों के सामने कीचड़ और पानी भर जाने से पैदल चलना भी मुश्किल है। स्थानीय व्यापारी रमेश साहू, सुनील व्यापारी संघ ने बताया - दशहरा निकल गया, दिवाली सामने है। ठेकेदार ने नाली खोदकर हमें कंगाल कर दिया। न कोई बैरिडजिंग, न चेतावनी बोर्ड, न रात में लाइट। कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।



कारण ग्राहक दुकान तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। बाइक सवार और बुजुर्ग ग्राहक गिर कर चोटिल हो रहे हैं। कई दुकानों के सामने कीचड़ और पानी भर जाने से पैदल चलना भी मुश्किल है। स्थानीय व्यापारी रमेश साहू, सुनील व्यापारी संघ ने बताया - दशहरा निकल गया, दिवाली सामने है।

प्रशासन मौन, व्यापारी लामबंद

लगातार शिकायत के बाद भी लोक निर्माण विभाग और निर्माण एजेंसी ने सुध नहीं ली है। नाराज व्यापारियों ने बैठक कर निर्णय लिया है कि यदि 48 घंटे के भीतर काम शुरू कर नाली को ढंक कर आवागमन सुचारु नहीं किया गया तो वे बेमेतरा-नवागढ़ मुख्य मार्ग पर चक्काजाम करने को मजबूर होंगे।

व्यापारियों की मांगें हैं-

1. खुदे हुए गड्ढों को तत्काल सुरक्षित किया जाए और स्लैब लगाकर रास्ता बनाया जाए।
 2. रात्रि में संकेतक और बैरिडजिंग लगाए जाएं।
 3. दिवाली से पहले निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर पूरा किया जाए।
 4. लापरवाह ठेकेदार पर जुर्माना लगाया जाए। विकास जरूरी है, पर व्यापारियों की बलि देकर नहीं। सीमेंट नहीं है तो टैंकर क्यों लिया ? ये सीधे-सीधे लापरवाही है।
- एक आक्रोशित व्यापारी
- फिलहाल सैकड़ों ग्रामीणों की नजर प्रशासन के अगले कदम पर टिकी है।